हिन्दी दैनिक

विशाल विचार

हर खबर पर पैनी नजर

कानपुर से प्रकाशित।

वर्ष : 01 अंक : 02 | लखनऊ, गुरूवार 20 फरवरी 2025 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 5.00 रूपया

2 तीन दिवसीय 30वां राष्ट्रीय मेनोपॉज...
3 त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के ...
5 फ़िल्मी अंदाज में युवक को घर के...

दिल्ली में अब रेखा राज

हरियाणा में जन्म, दिल्ली बनी कर्मभूमि

रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम के रूप में अपनी दावेदारी को पक्का कर लिया।

दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 20 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। पार्टी नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल एक भव्य समारोह में शपथ लेगा। पार्टी नेताओं के मुताबिक, रामलीला मैदान में होने वाले कार्यक्रम में करीब 50,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

तमाम मंथन के दौर और चुनाव परिणाम आने के 11 दिन बाद आखिरकार कौन होगा दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री इसका जवाब मिल गया। बीजेपी की तरफ से तमाम नामों के पछाड़ते हुए रेखा गुप्ता दिल्ली की सीएम के रूप में अपनी दावेदारी को पक्का कर लिया। विधायक दल की बैठक में रेखा गुप्ता नेता चुनी गईं हैं। शालीमार बाग से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार को शिकस्त देकर बड़ी कामयाबी हासिल की। नाम के ऐलान से पहले प्रवेश वर्मा, विजेंद्र गुप्ता, रेखा गुप्ता औ? सतीश उपाध्याय के साथ पहले पर्यवेक्षकों रवि शंकर प्रसाद और ओपी धनखड़ ने बैठक की।

वे मौजूदा समय में दिल्ली भाजपा की महासचिव और भाजपा के महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं। 50 वर्षीय रेखा का जन्म हरियाणा के जींद जिले में स्थित नंदगढ़ गांव में 1974 में हुआ था। उनके पिता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में अधिकारी पद पर थे। 2007-09 के दौरान एमसीडी में महिला कल्याण एवं बाल विकास समिति की दो साल तक अध्यक्ष रहीं। फिर दिल्ली भाजपा महिला मोर्चा की महासचिव रहीं। 2010 में उन्हें भाजपा ने उन्हें राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य की जिम्मेदारी दी गई। रेखा गुप्ता को 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग सीट से चुनाव में उतारा गया। लेकिन इस दोनों ही चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। लांकि, 2025 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने वंदना कुमारी को बड़े अंतर से हरा दिया।राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में 20 फरवरी को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां जोरों पर हैं। पार्टी नेताओं के अनुसार, मुख्यमंत्री और पूरा मंत्रिमंडल एक भव्य समारोह में शपथ लेगा। पार्टी नेताओं के मुताबिक, रामलीला मैदान में होने वाले कार्यक्रम में करीब 50,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। शपथ ग्रहण समारोह के बाद दिल्ली के इंपीरियल होटल में एनडीए नेताओं के लिए विशेष लंच की व्यवस्था की गई है। इस कार्यक्रम में गठबंधन के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी रहेगी, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भी शामिल होने की उम्मीद है।

शपथ समारोह के लिए अतिथियों की सूची

बहुप्रतीक्षित शपथ समारोह में सितारों का जमावड़ा होने वाला है, जिसमें राजनीतिक दिग्गजों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रसिद्ध हस्तियों सहित कई हाई-प्रोफाइल गणमान्य लोग शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना इस कार्यक्रम में शामिल होने वाले शीर्ष नेताओं में शामिल हैं। उनके अलावा, कई केंद्रीय मंत्रियों को भी इस अवसर पर आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों की भी भागीदारी होगी। हालाँकि, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ सहित उनमें से कुछ अपने-अपने विधानसभाओं में चल रहे बजट सत्र के कारण भाग नहीं ले पाएंगे। इस कार्यक्रम में 40 मशहूर हस्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। अधिकारियों ने कहा कि प्रोटोकॉल के अनुसार, दिल्ली की निवर्तमान मुख्यमंत्री आतिशी और उनके पूर्ववर्ती और तीन बार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी शपथ समारोह में आमंत्रित किया जाएगा।

ट्रंप और मस्क का बड़ा दावा-सुनीता विलियम्स को अंतरिक्ष में ही छोड़ देना चाहते थे बाइडेन

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर की अंतरिक्ष से वापसी को लेकर अमेरिकी राजनीति में हलचल तेज हो गई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और टेस्ला व स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने दावा किया है कि जो बाइडेन प्रशासन उन्हें जानबूझकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर छोड़ना चाहता था। इस बयान के बाद अमेरिका में राजनीतिक विवाद और गहरा गया है। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर ने 5 जून 2024 को बोइंग स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट से नासा मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। लेकिन तकनीकी खराबी के कारण उनके लौटने का मिशन कई बार टल चुका है। अब वे मार्च 2025 में स्पेसएक्स के ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट से वापस लौटने वाले हैं।ट्रंप और मस्क ने दावा किया है कि बाइडेन प्रशासन की नीतियों की वजह से ही दोनों अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी में देरी हो रही है। बाइडन प्रशासन ने उन्हें स्पेस में फंसने दिया डोनाल्ड ट्रंप ने फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में कहा, बाइडेन प्रशासन राजनीतिक कारणों से नासा के इन दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में ही छोड़ने वाला था। उन्हें जानबूझकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रखा गया था। अगर मैं राष्ट्रपति होता, तो यह कभी नहीं होता। उन्होंने कहा कि स्पेसएक्स' को इस मिशन की जिम्मेदारी देने के बाद अब स्थिति सुधरी है और जल्द ही दोनों अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित धरती पर लौट आएंगे। एलन मस्क ने भी ट्रंप के बयान का समर्थन करते हुए कहा, ष्हां, यह पूरी तरह से राजनीति से प्रेरित था। उन्हें अंतरिक्ष में फंसा हुआ छोड़ दिया गया, जो बहुत गलत है। ट्रंप प्रशासन के अनुरोध पर हम इस मिशन को प्राथमिकता देकर जल्द पूरा कर रहे हैं। मस्क ने यह भी कहा कि स्पेसएक्स पहले भी कई बार सफल मिशन कर चुका है और इस बार भी वे पूरी सुरक्षा के साथ अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी सुनिश्चित करेंगे।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि उन्होंने स्पेसएक्स को सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर की वापसी की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने मस्क से अनुरोध किया है कि मार्च 2025 के अंत तक मिशन पूरा किया जाए। इस पूरे विवाद पर बाइडन प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। हालांकि, नासा ने पहले ही स्पष्ट किया था कि बोइंग स्टारलाइनर में आई तकनीकी समस्याओं के कारण मिशन में देरी हो रही है, लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा उनकी प्राथमिकता है। अब देखना होगा कि मार्च 2025 में स्पेसएक्स सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को सुरक्षित वापस ला पाता है या नहीं।

भारत में 28 लाख से ज्यादा कंपनियां रजिस्टर्ड, 65ः सक्रियः सरकारी डेटा

नयी दिल्ली देश में अब तक 28 लाख से अधिक कंपनियां रजिस्टर की जा चुकी हैं, जिनमें से केवल 65ः या 18.1 लाख से अधिक कंपनियां ही सक्रिय हैं। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, कंपनियों अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कंपनियों में से केवल 5,216 विदेशी कंपनियां हैं, और इनमें से 63ः (3,281 कंपनियां) जनवरी 2025 के अंत तक सक्रिय थीं। मंत्रालय के मासिक सूचना बुलेटिन के मुताबिक, 31 जनवरी 2025 तक कुल 28,05,354 कंपनियां पंजीकृत की गईं, जिनमें से 18,17,222 कंपनियां सक्रिय हैं। दिसंबर 2024 की तुलना में सक्रिय कंपनियों की कुल संख्या में 0.14ः की वृद्धि दर्ज की गई है। अब तक कुल 9,49,934 कंपनियों को बंद कर दिया गया है।

जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने दक्षिण अफ्रीका जाएंगे जयशंकर

नयी दिल्ली। विदेश मंत्री (ईएएम) एस. जयशंकर जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक (एफएमएम) में भाग लेने के लिए 20-21 फरवरी को जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। दक्षिण अफ्रीका गणराज्य के अंतरराष्ट्रीय संबंध और सहयोग मंत्री रोनाल्ड लामोला के निमंत्रण पर वह यह दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया, जी-20 एफएमएम में विदेश मंत्री की भागीदारी से जी-20 देशों के साथ भारत की भागीदारी मजबूत होगी। इस महत्वपूर्ण मंच पर वैश्विक दक्षिण की आवाज को बल मिलेगा। विदेश मंत्री की एफएमएम के दौरान कुछ द्विपक्षीय बैठकें करने की उम्मीद है। यह मीटिंग दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता के दौरान आयोजित होने वाली पहली विदेश मंत्रियों की बैठक होगी। इसका विषय श्एकजुटता, समानता, स्थिरताश् रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका की जी-20 अध्यक्षता 1 दिसंबर, 2024 से शुरू हुई और यह 30 नवंबर तक जारी रहेगी। राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने पदभार ग्रहण करते समय इस बात पर जोर दिया कि दक्षिण अफ्रीका को जी-20 अध्यक्षता ऐसे समय में मिली है।

सीएम योगीः महाकुंभ भगदड़ को लेकर सीएम ने साफ की स्थिति, बताया कितने हुए थे घायल, मौत का दिया आंकड़ा

लखनऊ। महाकुंभ की व्यवस्थाओं को लेकर विपक्ष की ओर से बार-बार उठाए जा रहे सवालों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को विधानसभा में करारा जवाब दिया। सीएम ने कहा कि सनातन के सबसे बड़े आयोजन महाकुंभ को लेकर शुरुआत से ही सपा सवाल उठा रही है, मानो जैसे बहुत बड़ा अपराध हो गया है। सपा की नजर में अगर महाकुंभ का आयोजन अपराध है तो हम ऐसा अपराध बार-बार करने को तैयार हैं।

मुख्यमंत्री ने महाकुंभ में हुई भगदड़ को लेकर विपक्ष के सवालों का भी जवाब दिया। योगी ने कहा कि इस मामले की जांच के लिए हमने न्यायिक जांच आयोग का गठन कर दिया है। भगदड़ के गुनहगार चाहे कोई भी हो और कितनी भी बड़ी पहुंच वाला होगा, बख्शा नहीं जाएगा। वह कहीं भी छिपा होगा, बचेगा नहीं।

विधानसभा में सपा के डॉ. आरके वर्मा ने महाकुंभ का मामला उठाते हुए कहा कि सरकार ने धार्मिक आयोजन को इवेंट बनाने का प्रयास किया और वीआईपी कल्चर के चलते कुप्रबंधन से हादसा हुआ। उन्होंने सरकार से पोर्टल पर लापता लोगों के बारे में सूचना दर्ज कराने की सुविधा देने की मांग की। सपा के ही डॉ. संग्राम सिंह यादव और कांग्रेस की अराधना मिश्रा मोना ने भी महाकुंभ की व्यवस्थाओं पर सवाल उठाए। इस पर सपा के बागी विधायक मनोज पांडेय ने महाकुंभ की आलोचना के लिए सपा सदस्यों को आईना दिखाते हुए कहा कि रामायण की प्रति जलाने वाले महाकुंभ की महत्ता क्या जानें।

लगाकर आग बहारों की बात करते हैं

सीएम योगी ने कवि वीरेंद्र वत्स के लिखे शेर के जरिए विपक्ष को आईना दिखाते हुए कहा, बड़ा हसीन है उनकी जुबान का जादू, लगाकर के आग बहारों की बात करते हैं, जिन्होंने रात में चुन-चुन के बस्तियों को लूटा, वही नसीबों के मारों की बात करते हैं। सीएम ने कहा कि यह आयोजन न तो किसी पार्टी का है और न ही सरकार का। यह समाज का आयोजन है। सरकार तो सिर्फ सहयोगी है और उत्तरदायित्वों का निर्वहन कर रही है।

मृत्युकुंभ बताना सनातन धर्म का अपमान

सीएम ने सपा को घेरते हुए कहा कि इनके सहयोगी दल की एक नेता महाकुंभ को मृत्युकुंभ बताकर सनातन धर्म का अपमान कर रही हैं। कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे, सपा की जया बच्चन, राजद के लालू प्रसाद जैसे इनके साथी लगातार सनातन आस्था पर सीधा प्रहार कर रहे हैं। सीएम ने कहा, महाकुंभ में हर जाति, मत और मजहब के लोग श्रद्धा के साथ पहुंचे हैं। जब क्रिकेटर मोहम्मद शमी तक ने स्नान कर लिया, फिर भी विपक्षी नेता इसका विरोध क्यों कर रहे हैं?

प्रेशर प्वाइंट बनने से हुआ हादसा

सीएम ने कहा कि महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर कुछ स्थानों पर प्रेशर प्वाइंट बनने से भगदड़ की घटना हुई। इसमें कुल 66 लोग घायल हुए थे। 30 लोगों की मौत हो गई। शेष 36 लोगों का इलाज कराया गया और उनमें से एक व्यक्ति आज भी अस्पताल में भर्ती है। सीएम ने बताया कि जिन 30 लोगों की मौत हुई है, उनमें दूसरी जगह पर हुई भगदड़ के भी 7 लोग शामिल हैं।

मुदा मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया और उनकी पत्नी को बड़ी राहत, लोकायुक्त से मिली क्लीन चिट

बेंगलुरू। कर्नाटक लोकायुक्त ने जमीन आवंटन से जुड़े एक घोटाले में सीएम सिद्धारमैया, उनकी पत्नी और दो अन्य को क्लीन चिट दे दी। इस मामले में सीएम, उनकी पत्नी पार्वती, उनके भाई मल्लिकार्जुन सहित अन्यों पर एफआईआर दर्ज थी,जिन्हें अब बड़ी राहच मिली है। जांच ने निष्कर्ष निकाला कि आरोप नागरिक प्रकृति के थे और आपराधिक कार्यवाही की आवश्यकता नहीं थी। कर्नाटक में इनकं जमीन आवंटन मामले में 25 सितंबर को विशेष अदालत के आदेश के बाद 27 सितंबर को लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उनकी पत्नी पार्वती और उनके साले मल्लिकार्जुन स्वामी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। लोकायुक्त पुलिस ने इस मामले में जांच की और बताया कि सबूतों की कमी के कारण मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनकी पत्नी पार्वती के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं किए जा सके। अधिकारियों के अनुसार, जांच में कोई ठोस प्रमाण नहीं मिलने के बाद उन्होंने इस मामले की अंतिम रिपोर्ट कर्नाटक हाईकोर्ट को सौंप दी है। इस मामले में आरोप था कि मुडा के तहत जमीन आवंटन में अनियमितताएं और भ्रष्टाचार हुआ था, लेकिन जांच में इन आरोपों की पुष्टि नहीं हो पाई।

लोकायुक्त पुलिस ने एक पत्र में कार्यकर्ता स्नेहमयी कृष्णा को बताया कि मामले में आरोपी 1 से लेकर आरोपी 4 तक के खिलाफ आरोपों को सबूतों की कमी के कारण साबित नहीं किया जा सका है। इसके बाद पुलिस ने मामले की अंतिम रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंप दी है। हालांकि, मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा 2016 से 2024 तक मुआवजा भूखंड देने के आरोपों की आगे की जांच की जाएगी। इस मामले की जांच धारा 173(8) सीआरपीसी के तहत की जाएगी, और इसके तहत एक अतिरिक्त अंतिम रिपोर्ट भी उच्च न्यायालय को सौंपी जाएगी। कर्नाटक में मुडा शहरी विकास योजना के तहत जमीन खोने वाले लोगों के लिए 50रू50 योजना लाई गई थी, जिसमें इन लोगों को विकसित भूमि का 50ः हिस्सा दिया जाता था। यह योजना 2009 में शुरू की गई थी, लेकिन 2020 में भाजपा सरकार ने इसे बंद कर दिया था। हालांकि, सरकार के निर्णय के बावजूद मुडा ने इस योजना के तहत जमीनों का अधिग्रहण और आवंटन जारी रखा। विवाद का मुख्य कारण यही है कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को इस योजना के तहत लाभ पहुंचाया गया। आरोप है कि पार्वती को 3 एकड़ और 16 गुंटा भूमि मुडा द्वारा अधिग्रहित की गई, और इसके बदले 14 साइटें एक महंगे इलाके में आवंटित की गईं। यह भूमि 2010 में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी को उनके भाई मल्लिकार्जुन स्वामी ने उपहार के रूप में दी थी। आरोप यह है कि मुडा ने बिना सही तरीके से इस भूमि का अधिग्रहण किए, देवनूर तृतीय चरण की योजना को विकसित कर दिया।

राजस्थान बजटः वित्त मंत्री दीया कुमारी ने दिया बजट में तोहफा,

मुफ्त बिजली के साथ किसानों और युवाओं के लिए किए कई बड़े ऐलान

जयपुर। राजस्थान की वित्त मंत्री दीया कुमारी ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश किया। बजट के दौरान वित्त मंत्री ने मुफ्त बिजली, स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित करने, किसानों और युवाओं के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। राज्य वित्त मंत्री दीया कुमारी ने कहा कि 6000 करोड़ की लागत से 21000 किमी नॉन पेचेबल सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। प्रथम चरण में हर विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ और मरुस्थली क्षेत्र में 15-15 करोड़ की लागत से सड़कों का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि सुगम यातायात, हमारी प्राथमिकता है। रोडवेज को 500 नई बसें मिलेंगी और शहरी क्षेत्रों में भी 500 नई सिटी बसें मिलेंगी। इसके अलावा उन्होंने 150 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की भी घोषणा की है। मुफ्त बिजली के लाभार्थियों के घरों पर सोलर प्लेट लगाई जाएंगी। उन्होंने किसानों के लिए भी बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 50 हजार कृषि और 5 लाख घरेलू विद्युत कनेक्शन जारी होंगे। राज्य वित्त मंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत 2 लाख परिवारों को नए पट्टे वितरित किए जायेंगे। 25000 घुमंतू और अर्ध घुमंतू परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि आगामी वर्ष के प्रथम चरण में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10-10 करोड़ रुपये की लागत से नॉन पैचेबल सड़कों के कार्य करवाए जाएंगे। तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों का संविदा कैडर बानते हुए 1050 पद सृजित किए जाएंगे। राज्य वित्त मंत्री ने युवाओं को नौकरी की भी सौगात दी है। उन्होंने 1 लाख 25 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ से अधिक के एमओयू साइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 750 चिकित्सक और 1500 पैरामेडिकल स्टाफ के पद सृजित होंगे। 50 करोड़ की लागत से फिट राजस्थान अभियान शुरू होगा। 20 ट्रॉमा सेंटर को अपग्रेडेशन किया जाएगा।

अपराध चरम पर, बेसुध बिहार सरकारः तेजस्वी यादव

पटना बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता तेजस्वी

प्रसाद यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला करते हुये कहा है कि प्रदेश में अपराध चरम पर है और सरकार बेसुध है। तेजस्वी ने एक बार फिर से बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने बुधवार को बिहार में कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर नीतीश कुमार और उनकी सरकार पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया साइट एक्स एक पोस्ट शेयर किया है। तेजस्वी ने इसको लेकर क्राइम बुलेटिन जारी किया है। तेजस्वी ने जनवरी माह की बिहार की अलग-अलग अपराध 137 की घटनाओं का जिक्र किया है। नेता प्रतिपक्ष ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा ,बेसुध है सरकार। बिहार में खून की बहार!

राहुल गांधी ने पुणे कोर्ट का किया रुख, सावरकर पर सच्चाई को लाएंगे सामने

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को विनायक सावरकर के मामले में बड़ी राहत मिली है। उन्हें व्यक्तिगत पेशी से छूट मिल गई है। सावरकर पर राहुल गांधी के सवालों के चलते हर बार बीजेपी बैकफुट पर आ जाती है और अब राहुल गांधी ने सावरकर के इतिहास को देश के सामने लाने की तैयारी कर ली है।

उन्होंने पुणे की एक विशेष एमपी,एमएलए कोर्ट में चल रहे मामले को लेकर मांग की है कि इसे मन ट्रायल में बदल लिया जाए क्योंकि उनके बयान ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है। राहुल गांधी ने मार्च 2023 में ब्रिटेन गए थे। इस दौरान लंदन में प्रवासी भारतीयों के सम्मेलन में उन्होंने विनायक सावरकर को लेकर कुछ तथ्य रखे थे जिसको लेकर विनायक सावरकर के रिश्तेदार सत्यकी ए सावरकर ने राहुल के खिलाफ पुणे में मानहानि की शिकायत दर्ज की थी। पुणे की विशेष अदालत में सुनवाई के दौरान राहुल गांधी ने अपने वकील मिलिंद पवार के जरिए एक आवेदन दिया है। जिसमें उन्होंने सावरकर पर ऐतिहासिक तथ्यों के रिकॉर्ड को सामने रखने के लिए मुकदमे को समन ट्रायल में बदलने की मांग की है। राहुल गांधी की तरफ से कहा गया कि इस मामले में गहन और विस्तृत बहस की जरूरत है। सुनवाई में लंबा समय लगने की संभावना है और न्याय के हित में यह जरूरी होगा कि इस मामले की सुनवाई समन मामले के रूप में की जाए क्योंकि संक्षिप्त सुनवाई में मामले की सच्चाई सामने नहीं आ पाएगी। राहुल की याचिका में कहा गया है कि सावरकर के सच्चे योगदान की जांच इतिहास के जरिए ही की जा सकती है, जिसका रिकॉर्ड अदालत के सामने लाया जाना चाहिए। इसका मतलब यह होगा कि राहुल गांधी इस मामले में शिकायतकर्ता से व्यापक और गहनता से बहस कर सकेंगे। जिसमें स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों को कोर्ट के सामने लाया जा सकेगा। राहुल गांधी की याचिका को लेकर विशेष न्यायाधीश अमोल शिंदे ने शिकायतकर्ता से अपना पक्ष दाखिल करने को कहा है। अब ऐसे में अगर समन कोर्ट में मामले की सुनवाई होती है तो सावरकर के योगदान की जो कहानी सुनाई जाती है और जो सच्चाई है वो दुनिया के सामने आ जाएगी।

तीन दिवसीय 30वां राष्ट्रीय मेनोपॉज सम्मेलन IMSCON-2025 का होगा आयोजन

'मेनोपॉज जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर दिया जाएगा जोर

कार्यालय, संवाददाता

कानपुर । कानपुर में 30वां राष्ट्रीय मेनोपॉज सम्मेलन IMSCON 2025, 21-23 फरवरी 2025 को जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज जो कि इंडियन मेनोपॉज सोसाइटी के तत्वाधान में कानपुर आब्स एंड गायनी सोसायटी के एवं स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है इसमें लगभग हज़ार लोगों के आने की सम्भावना है जिसमें 200 से ऊपर फैकल्टी हैं वर्तमान में आईएमएस की राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अंजू सोनी एवं राष्ट्रीय सचिव डॉ. बिपाशा सेन हैं यह प्रतिष्ठित सम्मेलन डॉ. मीरा अग्निहोत्री के मार्ग दर्शन में डॉ. किरन पांडे की अध्यक्षता, सचिव डॉ. कल्पना दीक्षित एवं डॉ शैली अग्रवाल, डॉ. रेनू गुप्ता वैज्ञानिक सचिव के द्वारा आयोजित किया जा रहा है इस वर्ष का थीम 'मेनोपॉज जागरूकता के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' रखा गया है जिसके अंतर्गत मेनोपॉज से जुड़े शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक बदलावों, उनके समाधान, आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और जीवन-शैली सुधारों पर विस्तृत चर्चा होगी इस सम्मेलन में देश-विदेश के प्रसिद्ध स्त्री रोग विशेषज्ञ, एंडोक्राइनोलॉजिस्ट और महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. अंजू सोनी, डॉ. दूरू शाह, डॉ. सुनीला खंडेलवाल, डॉ. सोनिया मलिक, डॉ. अनिता शाह, डॉ. पुष्पा सेठी, डॉ. सुधा शर्मा, डॉ. बिपाशा सेन, डॉ. मीता सिंह, डॉ. हेफजीबाह, डॉ. शीला माने एवं ग्लासगो, लंदन से डॉ. मैरी एन. लुमब्सडन प्रतिभाग कर रहे हैं 20 फरवरी को प्री कॉन्फ्रेंस अयोध्या टूर का आयोजन किया जाएगा जिसमें कि 50 से 60 विभिन्न प्रांतों से चिकित्सक श्री रामलला के दर्शन कर अध्यात्म एवं संस्कृति से जुड़कर अखंडता का परिचय देंगे इस कार्यक्रम में अयोध्या बेलव्यू चिकित्सालय की डायरेक्टर व संस्थापक डॉ शालिनी चौहान चिकित्सकों का स्वागत करेंगी एवं अयोध्या भ्रमण में उनकी सहायक बनेंगी 21 फरवरी को चार कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा (यूरो गाइनी, फर्टिलिटी एट 40, एंटी-एजिंग एवं एंडोस्कोपिक सर्जरी) जिसमें कि अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञ लाइव डेमॉन्स्ट्रेशन के माध्यम से रजो निवृति से संबंधित समस्याओं पर विचार विमर्श करेंगे एवं आधुनिक तरीकों का भी विवरण देंगे, प्रोफ़ेसर डॉ0 सिमोन फिशल ऐंर्ट(यूके) अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त इन्फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, दुनिया के पहले आईवीएफ बच्चे (लुइस ब्राउन) को जन्म देने वाली टीम का हिस्सा रहे हैं, दुनिया के पहले आईवीएफ सेंटर बॉर्न हॉल क्लिनिक, लंदन के निदेशक व केयर फर्टिलिटी (यूनाइटेड किंगडम की सबसे बड़ी निजी आईवीएफ श्रृंखला) के संस्थापक निदेशक) लाइव वार्ता करेंगे, डॉ अजय राने जो कि आस्ट्रेलिया से कार्यक्रम मे शामिल हो रहे थे प्रसव के उपरांत होने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर प्रकाश डाला डॉ सुधीर श्रीवास्तव जो कि भारत मे रोबोटिक्स के जनक हैं रोबोट की तकनीकी जानकारी दी, SAFOM की प्रतिनिधि डॉ शमशाह हुमायूँ भी प्रतिभाग कर रही हैं, डॉ किरन पाण्डेय द्वारा रजोनिवृत्ति महिलाओं के जीवन की गुणवत्ता सुधार के लिए शिक्षा व स्वास्थ्य नीतियों के महत्व पर जोर दिया 21 फरवरी को ही सायंकाल 6:30 बजे से सम्मेलन का इनॉगरेशन किया जाएगा जिसकी मुख्य अतिथि प्रतिभा शुक्ला, महिला कल्याण, बाल विकास विभाग जी एवं पेटर्न डॉक्टर संजय काला हैं 22 फरवरी को साइंटिफिक प्रोग्राम का आगाज होगा जिसमें विभिन्न प्रकार के रजो निवृत्ति से संबंधित विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान होगा 22 फरवरी को शाम 06:30 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमे मुख्य अतिथि नीलिमा कटियार विधायक कल्याणपुर रहेंगी इस कॉन्फ्रेंस में 150 छात्र पोस्ट ग्रैजुएट पेपर एवं पोस्टर प्रेजेंट करेंगे एवं नवीनतम शोध प्रस्तुत करेंगे साथ ही साथ क्विज का भी आयोजन होगा 23 फरवरी को सीआईएमपी कॉन्वोकेशन भी होगा जोकि एक राष्ट्रीय स्तर पर मीनोपोज की परीक्षा होती है जिसमें की 200 लोगों ने प्रतिभाग किया जिसके मुख्य अतिथि कुलपति कानपुर विश्वविद्यालय प्रोफ़ेसर विनय पाठक रहेंगे दिनांक 23 फरवरी शाम 04:00 से 5.30 तक जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में IMSCON 2025 के तत्वाधान में पब्लिक फोरम का आयोजन होगा जिसकी मुख्य अतिथि आयुर्वेदाचार्य डॉ0 वंदना पाठक रहेंगी और संचालन सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अवध दूबे करेंगे जिसमें महिलाओं की मेनोपॉजल उम्र की समस्याओं पर देश की प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञों द्वारा पैनल डिस्कशन होगा जिसमें विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं की भागीदारी होगी इसमें महिलाओं कीँ दहा Health Cardiovascular Health Vaccination Mental Health एवं खान-पान, योग और व्यायाम पर विशेष चर्चा होगी।

मवेशियों को ले जा रही डीसीएम का टायर पंचर, पकड़े गए तस्कर

कार्यालय, संवाददाता

कानपुर । महाराजपुर में पुलिस ने पशु तस्करी का एक बड़ा मामला पकड़ा है कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाइवे पर महाराजपुर ओवरब्रिज के पास एक डीसीएम का टायर पंचर हो गया इस डीसीएम में दो दर्जन से अधिक मवेशी भरे हुए थे स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से तीन तस्करों को गिरफ्तार किया पूछताछ में पता चला कि आरोपी मध्य प्रदेश से मवेशियों को लेकर कानपुर जा रहे थे डीसीएम में मवेशियों को अत्यधिक भीड़-भाड़ की स्थिति में भरा गया था पुलिस ने डीसीएम को जब्त कर लिया और महाराजपुर थाने ले गई थाना प्रभारी ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है उन्होंने कहा कि जल्द ही सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

न्यूज डायरी

नानकारी में नालों पर लगे अतिक्रमण जल्द होगे ध्वस्त : महापौर

कानपुर। महापौर आपके वार्ड के कार्यक्रम वार्ड 27 में जनता दरबार मे क्षेत्रीय लोगो ने बताया की यहा पर क्षेत्र में अतिक्रमण की समस्या ज्यादा है जिस पर महापौर ने जल्द ही वहा उपस्थित अधिकारियों को अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए महापौर आपके वार्ड कार्यक्रम मे समाधान शिविर वार्ड 27 प्रधान गेट नानकारी में आयोजित हुआ जिसमें महापौर प्रमिला पाण्डेय ने क्षेत्रीय समस्याओं को त्वरित निस्तारण का शिविर लगाया महापौर आपके वार्ड कार्यक्रम में सबसे अधिक समस्या जल भराव व साफ सफाई की थी जिस पर महापौर ने समबन्धित अधिकारियों को तत्काल निवारण का आदेश दिया महापौर आपके वार्ड कार्यक्रम में कुल 15 समस्याएं आई जिस पर महापौर ने 6 समस्याओं का तत्काल निस्तारण कराया बताते चले की महापौर आपके वार्ड का अगला कार्यक्रम शुक्रवार को समय 11:30 बजे वार्ड क्रमांक 28 में भगत सिंह पार्क पालिका बाजार रोड में एवं दूसरा कार्यक्रम वार्ड 29 इमली के पेड के पास ओमपुरवा में समपन्न होगा।

दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कानपुर। दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता क्राइस्ट चर्च प्ले ग्राउंड में सम्पन्न हुई कार्यक्रम का शुभांरभ कुमकुम स्वरूप, सचिव, डॉ0 वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन फाउण्डेशन एवं अनन्ता स्वरूप, संयुक्त सचिव-प्रबन्ध समिति, दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज कानपुर ने ध्वजारोहण कर किया प्रतियोगिता में खिलाड़ी छात्रायें, बीएड शारीरिक शिक्षा विभाग, बीए, एमए, एमएससी एनसीसी, एनएसएस रोवर्स रेन्जर्स व अन्य विषयों की लगभग 300 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभागिता की व खेलों का आनन्द उठाया मुख्य अतिथि अनन्ता स्वरूप द्वारा वर्ष 2024-25 में जिला, प्रदेश एवं विश्वविद्यालय स्तर पर खेलकूद में विशिष्ट स्थान रखने वाली छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित व उत्साहित किया गया खेलकूद की वार्षिक आख्या विभागीय इंचार्ज डॉ0 कुमुदलता सिंह ने प्रस्तुत की महाविद्यालय ने 2024-25 में योग, ताइकाण्डो व बास्केटबॉल में ट्राफियां प्राप्त की तथा चेस, वालीबॉल में विश्वविद्यालय में प्रतिभागिता की महाविद्यालय की छात्राओं ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर लम्बी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक व 4100 मीटर रिले में उत्साहपूर्वक भाग लिया साथ ही महिला प्रवक्ताओं की म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 50 प्रवक्ताओं ने भाग लिया व पूरे महाविद्यालय ने आनन्द उठाया शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की 100 मीटर रेस सम्पन्न कराई गई अतिथि का स्वागत प्राचार्या प्रोफ़ेसर वंदना निगम ने किया संयोजन डॉ0 कुमुदलता सिंह, विभागाध्यक्ष इंचार्ज शारीरिक शिक्षा विभाग एवं संचालन डॉ0 पिंकी द्विवेदी ने किया प्रतियोगिता का समापन प्राचार्या द्वारा ध्वजा को सम्मान पूर्वक उतारकर व राष्ट्रगान कर किया गया प्रतियोगिता प्रातः 10 बजे से सायं 4 बजे तक हुई महाविद्यालय की सभी प्रवक्ताओं, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा प्रतियोगिता के परिणाम संलग्न हैं।

पर्सनालिटी डेवलपमेंट एवं पर्सनल हाईजीन पर दो दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

कानपुर। एसएन सेन पीजी कॉलेज कानपुर में पर्सनालिटी डेवलपमेंट और पर्सनल हाईजीन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्या प्रोफ़ेसर सुमन यादव ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन और पुष्पांजलि अर्पित करके किया कार्यक्रम की ट्रेनर एवं राइट साइड स्टोरी टीम की यूथ विल बीइंग एक्सपर्ट मिस जिया अरोड़ा ने छात्राओं को व्यक्तित्व विकास और व्यक्तिगत स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से बताया इसके साथ ही छात्राओं को अपने अधिकारों और सोशल मीडिया के दुरुपयोग के बारे में भी अवगत कराया गया छात्राओं को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में बताते हुए उनसे उससे संबंधित गतिविधियां भी कराई गई मीडिया प्रभारी डॉ प्रीति सिंह ने बताया कार्यक्रम का संचालन डॉ0 रोली मिश्रा द्वारा किया गया कार्यक्रम में रसायन शास्त्र विभाग की प्रोफेसर डॉ. गार्गी यादव, डॉ. पूजा गुप्ता, डॉ.प्रीति सिंह, डॉ. प्रीता अवस्थी, डॉ.सपना राय आदि लोग उपस्थित रहे इसके साथ ही राइट साइड स्टोरी टीम और व्हिस्पर इंडिया के द्वारा छात्राओं को पर्सनल हाइजीन से संबंधित किट का वितरण भी किया गया।

उपजिलाधिकारी नरवल द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाथीपुर का किया गया औचक निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान मिली कई खामियां कार्यवाही हेतु किया निर्देशित

कानपुर । जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के निर्देश पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हाथीपुर का औचक निरीक्षण उप जिलाधिकारी नरवल विवेक कुमार मिश्रा द्वारा किया गया निरीक्षण में पाया गया की प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर वार्ड बॉय राम शंकर ही उपस्थित थे तथा शेष अन्य कोई कर्मचारी अथवा चिकित्सक उपस्थित नहीं पाया गया उपस्थिति पंजिका के अनुसार अंकित कर्मचारियों में देवेंद्र शुक्ला सीनियर लैब असिस्टेंट, वर्तिका वैश्य स्टाफ नर्स, चिकित्साधिकारी राणा निगम, प्रतिभा, फार्मासिस्ट तथा शशि किरण सचान अनुपस्थित पाए गए शशि किरण सचान की दिनांक 18 की उपस्थिति भी उपस्थिति पंजिका पर अंकित नहीं पाई गई तथा वर्तिका वैश्य स्टाफ नर्स की उपस्थिति भी दिनांक 17 और 18 की अंकित नहीं पाई गई निरीक्षण के दौरान प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर साफ सफाई की स्थिति भी सही नहीं पाई गई उपस्थित वार्ड ब्वाय के द्वारा बताया गया की सफाई कर्मचारी के छुट्टी पर होने के कारण साफ सफाई सही ढंग से नहीं हो सकी उपरोक्त से स्पष्ट है कि इस प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर कर्मचारी सही ढंग से समय से उपस्थित नहीं हो रहे हैं और न ही परिसर का रखा रखाव साफ सफाई ढंग से की जा रही है जबकि या केंद्र कानपुर फतेहपुर मार्ग पार हाइवे पर स्थित है इसके संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी कानपुर को पत्र प्रेषित करते हुए संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी के निर्देश पर घटिया कार्य करने वाली संस्था के विरुद्ध की गई कार्यवाही

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह द्वारा दिनांक 18 फरवरी को जनपद कानपुर नगर के अंतर्गत सरसौल सैबसू महाराजपुर मार्ग (अ0जि0मा0) के जाने वाले मार्ग में किलोमीटर 5.900 किलोमीटर के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का औचक निरीक्षण किया गया था निरीक्षण के दौरान यह पाया गया की कार्यवाही संस्था द्वारा घटिया प्रकार की ईद का प्रयोग किया जा रहा था जिसके संबंध में जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग को मौके का निरीक्षण करवाकर संस्था के खिलाफ कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए गए थे

पुलिस ने शातिर वांछित अभियुक्त को धर दबोचा

कानपुर । कमिश्नरेट के पश्चिमी जोन डीसीपी के दिशा निर्देशन में एसीपी के आदेश का पालन करते हुए शिवराजपुर थाना प्रभारी अमान सिंह ने थाना क्षेत्र में सख्त रवैया के चलते अराजकतत्वों एवं अपराध में नियंत्रण से शातिर वांछित अभियुक्त राजकुमार को किया गिरफ़्तार किया गया थाना प्रभारी के क्षेत्र में गस्त के सख्त आदेशों के चलते थाना पुलिस दिखी अलर्ट शातिर वांछित अभियुक्त राजकुमार जो कि शाहपुर का रहने वाला बताया गया जिसके खिलाफ थाना हाजा में दर्ज मुकदमे वांछित था थांना प्रभारी ने अराजकतत्वों एवं क्षेत्र में शातिर अपराधियों की धर-पकड़ से क्षेत्र की जनता ने थाना प्रभारी एवं उनकी सहयोगी पुलिस की लगातार एक के बाद एक कार्यवाही की प्रशंसा हो रही है।

मृतक आश्रित को नौकरी न देने पर हाईकोर्ट में पेश हुए नगर आयुक्त, जांच में गैंगस्टर निकला कर्मी का बेटा

कार्यालय, संवाददाता

कानपुर । नगर निगम कर्मचारी की मौत के बाद मृतक आश्रित कोटे में बेटे को नौकरी न देने के मामले में नगर आयुक्त सुधीर कुमार हाईकोर्ट में पेश हुए हाईकोर्ट में जवाब दाखिल न करने और पेश न होने पर होईकोर्ट ने नगर आयुक्त के खिलाफ अवमानना का नोटिस जारी किया था मामले में अपर नगर आयुक्त आवेश खान ने बताया कि राजकुमार स्वास्थ्य विभाग में वार्ड संख्या-84 जोन-1 सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत थे। सेवाकाल के दौरान 1 अक्टूबर 2020 को उनकी मृत्यु हो गई थी उनकी मौके बाद उनके बेट गोलू ने मृतक आश्रित में नौकरी के लिए आवेदन किया नियुक्ति न दिए जाने को लेकर गोलू ने हाईकोर्ट में वाद दाखिल किया था नगर आयुक्त ने हाईकोर्ट में पेश होकर गोलू के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों का हवाला दिया और रिपोर्ट होईकोर्ट में पेश की नगर आयुक्त ने बताया कि चरित्र सत्यापन रिपोर्ट में पुलिस द्वारा अवगत कराया गया कि गोलू के खिलाफ चमनगंज थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत है ऐसे में वो नौकरी के लिए आवेदन नहीं कर सकते हैं।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 20 एमएलडी सीईटीपी कार्य प्रगति के संबंध में बैठक हुई आयोजित

कार्यालय, संवाददाता

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में 20 एमएलडी सीईटीपी की प्रगति के संबंध में बैठक संपन्न हुई जिलाधिकारी द्वारा बैठक में उपस्थित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए, 20 एमएलडी सीईटीपी द्वारा 340 टेनरी इकाइयों में निर्धारित समयावधि के भीतर संयोजन न किए जाने के कारण वीए-टेक बाग को पंपिंग स्टेशन वार जिलाधिकारी द्वारा तय की गई अग्रिम तिथि तक संयोजन कार्य पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए गए, कन्वेंस चैनलः 1 में पंपिंग स्टेशन 15 मई पंपिंग स्टेशन 2 31अगस्त पंपिंग स्टेशन 3 में 15 मई तथा पंपिंग स्टेशन 4 में 15 मार्च तक उक्त निर्धारित समयावधि के मध्य टेनरी इकाइयों में कन्वेंस चैनल स्थापित किए जाने, टेनरी के चैंबर का निर्माण कार्य, तथा अन्य इकाइयों [illegible] का कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

साथ ही समस्त निर्माण कार्य 15 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश दिए कार्यदायी संस्था मेसर्स वी ए टेक वा बाग द्वारा कार्य समय से कार्य पूर्ण न किए जाने के संबंध में कार्य में बाधा आने की बात कही गई यह विदित है कि कार्यदाई संस्था द्वारा परियोजना प्रारम्भ करने के पहले कार्य स्थल का स्थलीय निरीक्षण एवं परिवेक्षण कर परीयोजना बनाई गई थी और कार्य के अनुसार ही अनुबंध पर भी स्वयं हस्ताक्षर किये गये जिलाधिकारी द्वारा कार्यदाई संस्था मेसर्स वी ए टेक वा बाग द्वारा निर्धारित समयावधि में 20 एमएलडी सीईटीपी का कार्य पूर्ण किए जाने के दृष्टिगत रात एन एमसीजी को संस्था के भुगतान से नियमानुसार अनुबंध के प्रावधानों से अनुबंध को दण्डात्मक प्रावधानों को आकृष्ट करने के निर्देश दिये गये समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि नगर निगम द्वारा संचालित सिंचाई चैनल कई जगह से टूटे है

जिसके संबंध में पूर्ण में कई बार नगर निगम के पर्यावरण अभियंता तथा संबंधित अपर नगर आयुक्त नगर निगम को सूचित किया गया जिसके संबंध में उनके द्वारा कोई कार्य नहीं किया गया इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा नगर आयुक्त से यह अपेक्षा की गई की इरीगेशन चैनल टूटने की सूचना कई बार दिए जाने के बाद भी संबंधित अधिकारी द्वारा कार्य न किए जाने के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने हेतु पत्र प्रेषित किए जाने के निर्देश दिए बैठक में क्षेत्रीय अधिकारी उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अमित मिश्रा, सचिव 20 एमएलडी सीईटीपी, देवानंद प्रोजेक्ट मैनेजर वा बाग लिमिटेड चेन्नई नजीर हुसैन परामर्शी 20 एमएलडी सीईटीपी TWIC आदि अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सीडीओ के निरीक्षण में भवनों में गंभीर खामियां, कार्यदाई संस्था के अभियंता गायब

कानपुर, संवाददाता। घाटमपुर में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन ने साढ़ थाने के नए आवासीय भवनों का निरीक्षण किया निरीक्षण में कई गंभीर खामियां सामने आईं भवनों की स्थिति चिंताजनक पाई गई एप्रोच रोड का निर्माण अभी तक नहीं हुआ है। भवन के बाहरी हिस्सों में नोना लग गया है दीवारों पर लगे नोने का स्थाई समाधान नहीं किया गया पिछले निरीक्षण में टूटा मिला प्लास्टर अब भी उसी स्थिति में है पूर्व में बताई गई एक भी कमी को दूर नहीं किया गया इससे भी ज्यादा चिंताजनक बात यह रही कि कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश आवास निगम लिमिटेड के अधिशासी अभियंता महेश कुमार गुप्ता बिना किसी पूर्व सूचना के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहे यह अनुपस्थिति इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इन भवनों का स्थानांतरण समिति के सामने प्रशासकीय विभाग को उन्हीं की उपस्थिति में किया जाना है सीडीओ ने इस मामले में अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा है।

कूड़ा कलेक्शन में लापरवाही पर नगर निगम ने लगाया कार्यकारी संस्था पर जुर्माना

लाइव लोकेशन से गाड़ियां भी नदारद, सुधार न होने पर संस्था होगी ब्लैक लिस्टेड

कानपुर, संवाददाता।

कानपुर । शहर में डोर टू डोर कूड़ा उठाने में लगी कंपनियां लापरवाही कर रही हैं गाड़ियां घरों से कूड़ा उठाने नहीं पहुंच रही हैं, इससे घरों का कूड़ा सड़कों पर आ जा रहा है और जलाया भी जा रहा है जोन-4 में स्थानीय लोगों द्वारा आईजीआरएस पर शिकायत के बाद नगर निगम की ओर से की गई मॉनिटरिंग में लापरवाही पकड़ी गई है जांच में डोर टू डोर लगी कई गाड़ियां लाइव लोकेशन से नदारद मिलीं जिसके बाद कूड़ा उठाने वाली कंपनी दीक्षांक संस्था पर 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है, इसके साथ ही व्यवस्था को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिये गये हैं शहर में डोर टू डोर कूड़ा उठाने की सुविधा में सबसे ज्यादा शिकायतें दीक्षांक संस्था की आ रही हैं पिछले दिनों नगर निगम में पार्षद लक्ष्मी कोरी ने दीक्षांक कंपनी को बैन करने का मुद्दा उठाया था अधिकारियों ने कंपनी पर दबाव तो बनाया लेकिन पूरी तरह कंपनी सुधार नहीं कर पा रही है नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर ने बताया कि कंपनी की ओर से प्रतिदिन डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य नहीं किये जाने के कारण क्षेत्रीय निवासियों द्वारा मुख्यमंत्री के प्राथमिकता वाले आईजीआरएस में शिकायतें की गईं पहले भी कई बार लिखित व मौखिक रूप से कंपनी को निर्देशित किया गया और चेतावनी दी गयी थी कि जोन 04 क्षेत्र से प्रतिदिन डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का कार्य कराया जाए, ताकि शिकायतें न हों लेकिन इसके बाद भी जोन से जुड़े वार्ड और मोहल्लों में शत प्रतिशत डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन का नहीं किया जा रहा है जांच में कंपनी को दी गई गाड़ियां भी लाइव लोकेशन से गायब मिलीं संस्था पर कार्य में लापरवाही के कारण 20 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है नगर स्वास्थ्य अधिकारी की ओर से संस्था को पत्र जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि यदि नगर निगम कोष में एक सप्ताह के अन्दर कंपनी ने जुर्माने की राशि जमा नहीं कि तो कंपनी को ब्लैक लिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएंगी।

जीएसवीएम में हेपेटाइटिस बी इम्यूनोग्लोबुलीन की निःशुल्क सेवा हुई उपलब्ध

संवाददाता।

कानपुर । जीएसवीएम पीजीआई पीएमएसएसवाई का गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग राष्ट्रीय वायरल हेपिटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत ट्रीटमेंट सेंटर के रूप में कार्य कर रहा है इस राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम का उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस को नियंत्रित करना और समाप्त करना है। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया था और इसका मुख्य उद्देश्य हेपेटाइटिस बी और सी के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम करना है डॉ विनय कुमार विभागाध्यक्ष गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं नोडल एनवीएचसीपी ने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत पीजीआई गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग में हेपेटाइटिस बी एवं सी से संबंधित सभी जांच व इलाज की सुविधा निशुल्क उपलब्ध है हेपटाइटिस बी से संक्रमित गर्भवती माँ से नवजात शिशु को संक्रमण रोकने के लिए आवश्यक हेपेटाइटिस बी इम्युनोग्लोबुलिन इंजेक्शन भी निःशुल्क उपलब्ध हो गया है उन्होंने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य हेपेटाइटिस सी को 2030 तक समाप्त करना, हेपेटाइटिस बी और सी के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम करना व हेपेटाइटिस ए और ई के कारण होने वाली मृत्यु दर को कम करना है इस बावत प्राचार्य डॉ संजय काला ने बताया कि यह निशुल्क इम्यूनोग्लोबुलीन इंजेक्शन उन मरीजों के लिए फायदेमंद होगा जो कि यह महंगा इंजेक्शन खरीद कर नहीं ला सकते हैं कार्यक्रम के मुख्य घटक इस कार्यक्रम का मुख्य घटक बीमारी की रोकथाम व जागरूकता पैदा करना है टीकाकरण, रक्त और रक्त उत्पादों की सुरक्षा निदान और उपचाररू निःशुल्क निदान और उपचार की व्यवस्था तथा निगरानी और मूल्यांकन निगरानी प्रणाली के साथ संबंध स्थापित करना और अनुसंधान करना है एचबीआईजी इंजेक्शन के उपयोग डॉ विनय कुमार ने बताया कि एचबीआईजी इंजेक्शन का उपयोग नवजात शिशुओं में किया जाता है, जिनमें शिशुओं की माताएं हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमित हैं इस इंजेक्शन को नवजात शिशु को पैदा होने के चौबीस घंटे के अंदर लगाया जाता है।हेपेटाइटिस बी वायरस से संक्रमण की रोकथाम एचबीआईजी इंजेक्शन का उपयोग उन लोगों में किया जाता है

ओआरएसएल की नई पहल 'डायरिया से डरें नहीं

कानपुर, संवाददाता। ओआरएसएल बनाने वाली कंपनी केनव्यू ने पॉपुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) के साथ मिलकर एक नई जनस्वास्थ्य पहल 'डायरिया से डर नहीं' की शुरुआत की है है अगले दो वर्षों में लगभग 5 मिलियन बच्चों तक पहुँचने के लक्ष्य के साथ, यह पहल उत्तर प्रदेश के 7 जिलों और बिहार के 3 जिलों में दस्त से होने वाली मृत्यु दर को कम करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार पर केंद्रित होगी 'सरकार के 'स्टॉप डायरिया' अभियान को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से, हमें 'डायरिया से डर नहीं' नामक इस बहु-वर्षीय पहल को शुरू करने पर गर्व है, जिसके माध्यम से उत्तर प्रदेश और बिहार के 10 जिलों में लगभग 5 मिलियन से अधिक बच्चों तक पहुंचने का लक्ष्य है यह पहल विशेष रूप से पाँच वर्ष से कम उम्र के कमजोर बच्चों के लिए एकीकृत दस्त प्रबंधन कार्यक्रम के माध्यम से समुदायों के स्वास्थ्य पर सार्थक प्रभाव डालने का प्रयास करेगी, जिसमें रोकथाम और उपचार दोनों उपायों को शामिल किया गया है और ओआरएस एवं जिंक कवरेज के विस्तार पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया गया है 'इस पहल के बारे में बात करते हुए प्रशांत शिंदे, बिजनेस यूनिट हेड सेल्फ केयर, केनव्यू ने कहा, 'पिछले 20 वर्षों से ओआरएसएल, हमारा प्रतिष्ठित इलेक्ट्रोलाइट ब्रांड, फ्लूइड, इलेक्ट्रोलाइट और एनर्जी पर वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है,

जिससे उन्नत हाइड्रेशन फॉर्मूलेशन विकसित हुए हैं हाल ही में लॉन्च किए गए रेडी-टू-ड्रिंक ओआरएस-डब्लुएचओ अप्रूव्ड फॉर्मूला के साथ हमने अपने हाइड्रेशन पोर्टफोलियो का विस्तार किया है जो दस्त से तेज़ी से रिकवरी में सहायता करने वाला एक प्रभावी समाधान प्रदान करता है डायरिया से डर नहीं' नामक इस बहु-वर्षीय पहल के तहत, केनव्यू इस गंभीर स्वास्थ्य समस्या के समाधान में एक नेतृत्वकारी भूमिका निभा रहा है।

दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

कानपुर । दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता क्राइस्ट चर्च प्ले ग्राउंड में सम्पन्न हुई कार्यक्रम का शुभांरभ कुमकुम स्वरूप, सचिव, डॉ0 वीरेन्द्र स्वरूप एजुकेशन फाउण्डेशन एवं अनन्ता स्वरूप, संयुक्त सचिव-प्रबन्ध समिति, दयानन्द गर्ल्स पीजी कॉलेज कानपुर ने ध्वजारोहण कर किया प्रतियोगिता में खिलाड़ी छात्रायें, बीएड शारीरिक शिक्षा विभाग, बीए, एमए, एमएससी एनसीसी, एनएसएस रोवर्स रेन्जर्स व अन्य विषयों की लगभग 300 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभागिता की व खेलों का आनन्द उठाया मुख्य अतिथि अनन्ता स्वरूप द्वारा वर्ष 2024-25 में जिला, प्रदेश एवं विश्वविद्यालय स्तर पर खेलकूद में विशिष्ट स्थान रखने वाली छात्राओं को मेडल पहनाकर सम्मानित व उत्साहित किया गया खेलकूद की वार्षिक आख्या विभागीय इंचार्ज डॉ0 कुमुदलता सिंह ने प्रस्तुत की महाविद्यालय ने 2024-25 में योग, ताइकाण्डो व बास्केटबॉल में ट्राफियां प्राप्त की तथा चेस, वालीबॉल में विश्वविद्यालय में प्रतिभागिता की महाविद्यालय की छात्राओं ने 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर लम्बी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, चक्का फेंक व 4100 मीटर रिले में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

पाँच गोलियां सल्फास की खाने के बाद डाक्टरों ने मरीज को सकुशल बचाया, गुर्दों व हार्ट ने भी काम करना कर दिया था बंद

कानपुर, संवाददाता। कन्नौज से रिफर सल्फास खा कर आए युवक की डाक्टरो ने कड़ी मशक्त के बाद उसकी जान बचा कर उसे नई जिन्दगी दी डाक्टरो ने बताया कि युवक ने 5 गोली सल्फास खाया था जिसका उपचार कन्नौज में चल रहा था लेकिन युवक की हालत गंभीर होने पर उसे जीएसवीएम मेडिकल कालेज रिफर किया गया जहां डॉ बीपी प्रियदर्शी के अधीन उसे भर्ती कर उसका उपचार कर उसके जीवन को डाक्टरों ने बचा लिया डॉ बीपी प्रियदर्शी ने बताया कि भदौली ततिया जिला-कन्नौज निवासी राम जी (23) को 27 जनवरी 2025 को लाला लाजपत राय चिकित्सालय के अकास्मिक विभाग में सल्फास की गोलियां खाने की शिकायत के साथ भर्ती किया गया था राजकीय मेडिकल कालेज कन्नौज से रेफर होने के बाद बीपी प्रियदर्शी आचार्य मेडिसिन विभाग की यूनिट के अधीन भर्ती हुए थे भर्ती के समय मरीज का ब्लड प्रेशर नॉन रिकार्डेबल तथा कम्पलीट हार्ट ब्लाक था उपचार के दौरान मरीज के पेट की सफाई करवाई गई ब्लड प्रेशर बढ़ाने एवं दिल को चलाने के लिए आवश्यक औषधियां दी गयीं जिसके बाद ब्लड प्रेशर सामान्य हो गया और दिल भी काम करने लगा फिर मरीज के दोनों गुर्दे काम करना बन्द हो गये थे तथा सीरम क्रिए?टिनिन की मात्रा 14 हो गयी थी सीरम क्रिएटिनिन बढ़ा होने के कारण मरीज को पेशाब नहीं जा रही थी और शरीर में सूजन आने लगी थी जिसके पश्चात् मरीज की लगातार 18 बार डायलिसिस करायी गयी डा0 बीपी प्रियदर्शी, आचार्य एवं उनकी यूनिट के जूनियर रेजीडेन्ट के अथक प्रयासों के पश्चात मरीज स्वस्थ्य होकर चिकित्सालय से दिनांक 19 फरवरी 2025 को डिस्चार्ज कर दिया गया है मरीज के परिजनो ने चिकित्सालय में हुए उपचार से संतुष्ठ होकर डॉक्टरो का आभार व्यक्त किया उपचार करने वाले चिकित्सकों बीपी प्रियदर्शी आचार्य, डा0 ऋषभा कौशिक, जेआर-3 एवं डॉ0 सुवर्णा शर्मा जेआर-2, कौशल किशोर सिंह, डा0 अन्नया सिंह एवं बा0 शरद कोटरीवाल जेआर-1 को धन्यवाद किया।

नगर निगम की गाड़ी ने युवक को मारी टक्कर घायल

कानपुर । फजल गंज थाना क्षेत्र के स्लाटर हाउस के पास नगर निगम की गाड़ी ने युवक को ज़ोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से युवक की हालत बेहद गंभीर हो गई मामला फजल गंज थाना क्षेत्र के स्लाटर हाउस के पास का बिना नंबर नगर निगम की गाड़ी ने विशाल बाल्मीकि नमक युवक को ले लिया अपनी चपेट में गाड़ी शोभित बाल्मिकी चला रहा था मिल एरिया चौकी इंचार्ज ने गंभीर रूप से घायल विशाल बाल्मिकी को एंबुलेंस से हैलट भिजवाया युवक की हालत गंभीर बनी हुई है गाड़ी का ड्राइवर शोभित है पुलिस की हिरासत में पूरे शहर में नगर निगम की गाडियां बिना नंबर प्लेट के घूम रही हैं यातायात विभाग को सांप सूंघ गया है ।

त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी का आयोजन

लखनऊ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में मक्का उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यशाला एवं प्रदर्शनी-2025 का आयोजन बुधवार को गोमती नगर स्थित एक निजी होटल में किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों में मक्का के उत्पादन और आच्छादन पर चर्चा की गई। किसानों के लिए मक्का को अधिक लाभदायक बनाने के उद्देश्य से विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। इस अवसर पर कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही और कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख उपस्थित रहे।कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश में मक्का उत्पादन की अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने बताया कि राज्य वर्तमान में 665 लाख मैट्रिक टन खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है और खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर है। प्रदेश न केवल अपनी आवश्यकता की पूर्ति कर रहा है, बल्कि अतिरिक्त उत्पादन का निर्यात भी कर रहा है। कृषि मंत्री ने आह्वान किया कि इसी वर्ष सीड पार्क योजना को अंतिम रूप दिया जाए, ताकि किसानों को उन्नत बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने बताया कि गेहूँ और धान के बाद मक्का प्रदेश की तीसरी महत्वपूर्ण फसल है और इसके

प्रोत्साहन के लिए 13 जनपदों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, त्वरित मक्का विकास कार्यक्रम के तहत पूरे प्रदेश में किसानों को बीज पर ?15,000 प्रति क्विंटल तक की सब्सिडी दी जा रही है।कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख ने बताया कि प्रदेश में मक्का के क्षेत्रफल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसानों की रुचि के अनुसार ही मक्का की विभिन्न प्रजातियों के बीजों का वितरण किया जाना चाहिए, जिससे वे अधिकतम लाभ कमा सकें। उन्होंने वैज्ञानिक विधियों के प्रयोग की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि फरो (कुंड) तकनीक के उपयोग से मक्का की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है।प्रमुख सचिव (कृषि) ने बताया कि प्रदेश में वर्तमान में लगभग 1 करोड़ हेक्टेयर में गेहूँ और 60 लाख हेक्टेयर में धान की खेती होती है। खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश आत्मनिर्भर होने के बावजूद भविष्य की आवश्यकताओं को देखते हुए फसल विविधीकरण (क्रॉप डाइवर्सिफिकेशन) की जरूरत है। उन्होंने किसानों से गेहूँ और धान के विकल्प के रूप में मक्का की खेती अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि मक्का तीनों मौसमों में उगाई जा सकती है और इसका उपयोग खाद्य पदार्थों के अलावा एथेनॉल उत्पादन में भी किया जा रहा है।कार्यशाला में कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों और विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। वैज्ञानिकों ने किसानों को मक्का उत्पादन में आधुनिक तकनीकों और उन्नत विधियों के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के दौरान किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया गया।इस अवसर पर अपर कृषि निदेशक, महानिदेशक कृषि अनुसंधान परिषद, बीज विकास निगम के प्रबंध निदेशक, राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक, आईआईएमआर लुधियाना एवं बेगूसराय के प्रधान वैज्ञानिक, यूपी डिस्टलरीज एसोसिएशन के पदाधिकारी, एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट, मंडलीय संयुक्त कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

बुद्धेश्वर महादेव मंदिर का होगा पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण

लखनऊ, (आरएनएस)। आलमनगर स्थित प्राचीन बुद्धेश्वर महादेव मंदिर और उससे जुड़े सीताकुंड के समेकित पर्यटन विकास और सौंदर्यीकरण का कार्य जल्द शुरू होने जा रहा है। पर्यटन विभाग ने इसके लिए 2.32 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी है, जिसमें से एक करोड़ रुपये जारी किए जा चुके हैं।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि बुद्धेश्वर महादेव मंदिर लखनऊ के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है। राजा बख्शी द्वारा स्थापित यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है और यहां सालभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। विशेष रूप से महाशिवरात्रि के अवसर पर भक्तों की भारी भीड़ देखी जाती है।बुद्धेश्वर महादेव मंदिर से एक रोचक किंवदंती भी जुड़ी हुई है। कहा जाता है कि वनवास के दौरान भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण ने इस स्थान पर भगवान शिव की पूजा-अर्चना की थी। यही कारण है कि यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि आध्यात्मिक शांति का प्रतीक भी माना जाता है।सरकार द्वारा स्वीकृत धनराशि से मंदिर परिसर के सौंदर्यीकरण के अंतर्गत बाउंड्री वॉल, गेटों का निर्माण, इंटरलॉकिंग, रिटेनिंग वॉल, पाथवे रेलिंग, पत्थर लगाने का कार्य, प्रकाश व्यवस्था, बेंच और अन्य विकास कार्य कराए जाएंगे।

बिजली संकट और महाकुंभ अव्यवस्थाओं पर कांग्रेस का सरकार पर हमला

लखनऊ(आरएनएस) विधानसभा सत्र के दूसरे दिन कांग्रेस ने प्रदेश में बिजली संकट और महाकुंभ में अव्यवस्थाओं के मुद्दे पर सरकार को घेरा। विधानसभा में कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने प्रदेश में हो रही बिजली कटौती पर चिंता जाहिर की और सरकार से निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग उठाई। उन्होंने सरकार की तैयारियों पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस समय प्रदेश में बिजली की मांग 20,000 मेगावाट तक पहुंच गई है, जो गर्मी बढ़ने के साथ 32,000 से 33,000 मेगावाट तक जा सकती है, जबकि सरकार के पास केवल 28,000 मेगावाट की आपूर्ति की व्यवस्था है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मांग के अनुरूप विद्युत उत्पादन और आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रही है, जिसके कारण ग्रामीण इलाकों में सात से आठ घंटे की कटौती हो रही है।आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि प्रदेश में 3 करोड़ 45 लाख बिजली उपभोक्ता हैं, जिनमें 15 लाख किसान भी शामिल हैं। सरकार बिना पर्याप्त आपूर्ति की व्यवस्था किए नए कनेक्शन बांट रही है, जिससे बिजली संकट और गंभीर होता जा रहा है। उन्होंने ऊर्जा विभाग के बजट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि 66,190 करोड़ रुपये के प्रावधान के बावजूद केवल 48,243 करोड़ रुपये ही स्वीकृत किए गए, और उसमें भी कटौती कर 44,523 करोड़ रुपये जारी किए गए। उन्होंने आशंका जताई कि सरकार बिजली आपूर्ति को निजी हाथों में सौंपने की ओर बढ़ रही है, जिससे महंगी बिजली का बोझ किसानों और गरीब उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।महाकुंभ में अव्यवस्था को लेकर आराधना मिश्रा मोना ने नियम 56 के तहत सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन में सरकार ने व्यवस्थाओं को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन हकीकत में श्रद्धालु अव्यवस्थाओं से जूझते रहे। उन्होंने भगदड़ में हजारों श्रद्धालुओं की मौत का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आंकड़े छुपा रही है और अभी भी हजारों श्रद्धालु लापता हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक ने लखनऊ जंक्शन और गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया

लखनऊ, (आरएनएस) । पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक प्रकाश चन्द्र जायसवाल ने आज लखनऊ मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक आशुतोष गुप्ता और अन्य वाणिज्य अधिकारियों के साथ लखनऊ जंक्शन और गोमतीनगर रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान श्री जायसवाल ने लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर वेटिंग रूम, रिटायरिंग रूम, टीटीई रनिंग रूम, कैबवे एरिया, आईआरसीटीसी द्वारा संचालित फूड ट्रैक और खानपान स्टॉल, फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग कार्यालय सहित स्टेशन पर सफाई व्यवस्था और पेयजल सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने यात्री सुविधाओं के उन्नयन और वाणिज्यिक कार्यों की प्रगति पर भी चर्चा की।इसके बाद, उन्होंने गोमतीनगर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां उन्होंने सेकंड एंट्री पर नवनिर्मित स्टेशन भवन, मुख्य सर्कुलेटिंग एरिया, खानपान स्टॉल, फुट ओवर ब्रिज, बुकिंग और आरक्षण कार्यालय सहित सफाई व्यवस्था की जांच की। उन्होंने गोमतीनगर स्टेशन की सेकंड एंट्री से ट्रेनों के सुचारू संचालन को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं को बढ़ाने और टिकट जांच तथा आय वृद्धि के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।इसके अलावा, जायसवाल ने गोमतीनगर स्टेशन को विश्वस्तरीय यात्री सेवाओं और आधारभूत संरचना के लिहाज से विकसित करने को लेकर रेल भूमि विकास प्राधिकरण के उपमहाप्रबंधक अनूप गुप्ता और अन्य अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श किया।इस अवसर पर सहायक वाणिज्य प्रबंधक प्रथम, सहायक वाणिज्य प्रबंधक द्वितीय सहित अन्य रेलवे कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

आईटीआई अलीगंज में 'सिग्नेचर बिल्डिंग' का लोकार्पण, रोजगार मेले का आयोजन

लखनऊ, (आरएनएस) उत्तर प्रदेश सरकार ने लाइट हाउस योजना के अंतर्गत औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के उच्चीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), अलीगंज, लखनऊ में 'सिग्नेचर बिल्डिंग' का लोकार्पण किया। इस अवसर पर प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने प्रशिक्षार्थियों द्वारा तैयार ट्रेड मॉडल प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और रोजगार मेले का उद्घाटन किया।मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को बेहतरीन और रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए संकल्पित है। आईटीआई के उच्चीकरण के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी आईटीआई संस्थानों को आधुनिक संसाधनों से लैस किया जाएगा, ताकि युवा कौशल विकास के माध्यम से अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकें।इस अवसर पर विधायक डॉ. नीरज बोरा ने रोजगार मेलों और अन्य कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए प्रधानाचार्य राज कुमार यादव की सराहना की। वहीं, प्रमुख सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग, डॉ. हरिओम (आईएएस) ने युवाओं को स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित किया और एमएसएमई के अंतर्गत पांच लाख युवाओं को ऋण दिलाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता बताई।निदेशक, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, नेहा प्रकाश (आईएएस) ने कहा कि प्रशिक्षण इतना प्रभावी होना चाहिए कि युवा सरकारी नौकरियों पर निर्भर रहने के बजाय निजी क्षेत्र में जाकर खुद रोजगार देने योग्य बनें।इस कार्यक्रम में अपर निदेशक, मंडलीय संयुक्त निदेशक, जनपद के सभी प्रधानाचार्य, अनुदेशक एवं स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में नोडल प्रधानाचार्य, राज कुमार यादव ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और प्रशिक्षकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी इसी तरह के समर्थन की अपेक्षा जताई।

पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल में क्षय रोग उन्मूलन हेतु जन जागरूकता प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ, (आरएनएस)। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के मार्गदर्शन में आज ऐशबाग स्थित रेलवे पॉलीक्लिनिक में अपर मंडल चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीक्षा चौधरी की अध्यक्षता में 'राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन' अभियान के तहत जन जागरूकता प्रदर्शनी एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम देशभर में चलाए जा रहे क्षय रोग-मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय सघन अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया।इस अवसर पर डॉ. दीक्षा चौधरी ने जिला क्षय रोग उन्मूलन टीम की उपस्थिति में रेलकर्मियों को जागरूक करते हुए क्षय रोग के लक्षणों और केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा क्षय रोगियों को दी जाने वाली सुविधाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने क्षय रोग को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए सभी को इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य क्षय रोग के मामलों की शीघ्र पहचान, निदान में होने वाली देरी को कम करना और उपचार के परिणामों में सुधार लाकर एक स्वस्थ एवं क्षय-मुक्त समाज की स्थापना करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रेलकर्मियों की एक्स-रे जांच की गई।

समाजवादी पार्टी मुख्यालय में छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती पर कार्यक्रम

लखनऊ (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आज महाराष्ट्र के महानायक छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र बहादुर यादव ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिनंदन किया।अपने संबोधन में अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने आगरा में मुगल म्यूजियम की स्थापना की थी, जिसे भाजपा सरकार ने बदलकर छत्रपति शिवाजी महाराज के नाम पर रख दिया। उन्होंने घोषणा की कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर इस म्यूजियम का नाम माता जीजाबाई के नाम पर रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को मजबूत करने का कार्य करती रही है और आगे भी करती रहेगी।अखिलेश यादव ने भाजपा और योगी सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि साधु और योगी को सच बोलना चाहिए और अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सहिष्णुता और समावेशी समाज की स्वीकार्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।इस कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे।

महाकुंभ में अव्यवस्थाओं पर अखिलेश यादव का सरकार पर तीखा प्रहार

लखनऊ,(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने महाकुंभ में फैली अव्यवस्थाओं और नारी गरिमा से जुड़े संवेदनशील मामलों पर भाजपा सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत अशोभनीय एवं संवेदनशील मामला है कि महाकुंभ में महिलाओं की तस्वीरों को ऑनलाइन बेचा जा रहा है और सरकार इस गोरखधंधे पर रोक लगाने में विफल रही है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि क्या यह जीएसटी के माध्यम से इस व्यापार की हिस्सेदार नहीं बन रही? उन्होंने उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय महिला आयोग से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। अखिलेश यादव ने आचार्य नरेंद्र देव की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में महाकुंभ में हुई अव्यवस्थाओं पर सरकार को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने 100 करोड़ लोगों के लिए व्यवस्था करने का दावा किया था, लेकिन हकीकत में स्थिति बेहद दयनीय साबित हुई। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रशासन ने मशहूर हस्तियों और अन्य गणमान्य लोगों को आमंत्रित किया, तो लोगों ने यह मान लिया था कि आयोजन व्यवस्थित होगा, लेकिन वास्तविकता इसके विपरीत रही।उन्होंने कहा कि महाकुंभ में बड़ी संख्या

में लोग लापता हुए, कई मौतें हुईं, और गंगा के जल की गुणवत्ता खराब होने के कारण श्रद्धालु स्नान के बाद बीमार पड़ गए। राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट में भी गंगा जल की गुणवत्ता खराब पाई गई है, लेकिन सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही। तमाम नाले गंगा में गिर रहे हैं और प्रशासन इस पर मूकदर्शक बना हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की कि बीमार श्रद्धालुओं के इलाज की समुचित व्यवस्था की जाए और मृतकों के परिजनों को उचित मुआवजा दिया जाए।तृणमूल कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता बनर्जी के 'मृत्युकुंभ' बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नव्व अखिलेश यादव ने कहा कि उनका बयान सटीक है।

बंगाल सहित कई राज्यों से आए श्रद्धालुओं की मौत हुई है, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही। उन्होंने आरोप लगाया कि महाकुंभ में हुई मौतों की एफआईआर तक दर्ज नहीं की जा रही है।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विधानसभा में दिए गए बयान पर नव्व अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री विकास और भाषा, दोनों पर नियंत्रण खो चुके हैं। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि पिछले सात वर्षों में कितने इंटरमीडिएट स्कूल, पॉलिटेक्निक, आईटीआई और इंजीनियरिंग संस्थान खोले गए? उन्होंने कहा कि सरकार को यदि शिक्षा की परवाह है तो उसे उत्तर प्रदेश में विश्व स्तरीय संस्थान स्थापित करने चाहिए।बजट को लेकर अपनी प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि जब सरकार का संतुलन बिगड़ जाता है, तो उसकी भाषा भी बिगड़ जाती है।

मुख्यमंत्री से शालीनता और शिष्टाचार की अपेक्षा की जाती है, लेकिन जिस तरह से वह भाषा का प्रयोग कर रहे हैं, उससे यह स्पष्ट हो जाता है कि महाकुंभ में हुए 'महा घोटाले' को छुपाने के लिए सरकार ऐसी बयानबाजी कर रही है।उन्होंने महाकुंभ में हुए भ्रष्टाचार पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इस आयोजन में शौचालय निर्माण से लेकर अन्य सुविधाओं तक में बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ है। उन्होंने दावा किया कि पिछले अर्धकुंभ में भी स्वच्छता के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ था, और इस बार भी वही कहानी दोहराई गई है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को एक बड़े भ्रष्टाचार को छुपाने के लिए इस्तेमाल किया गया है और यही कारण है कि मुख्यमंत्री की भाषा बदली हुई नजर आ रही है।

न्यूज डायरी

शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस) । पुलिस ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चिनहट थाना पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम देते हुए बलिया जिले के हल्दी सहतवार मार्ग स्थित हनुमान मंदिर के पास से अभियुक्त को हिरासत में लिया। आरोपी अजय कुँअर के खिलाफ चिनहट थाने में मामला दर्ज था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।यह मामला 24 जनवरी 2025 को दर्ज किया गया था, जब वादिनी ने थाना चिनहट में शिकायत दी कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। इस पर पुलिस ने मु0अ0सं0-29/2025 के तहत धारा 69, 115(2) बीएनएस में मुकदमा दर्ज किया। विवेचना के दौरान साक्ष्यों के आधार पर केस में 351(3), 324(2) और 89 बीएनएस की धाराएं भी जोड़ी गईं।अभियुक्त की तलाश में जुटी पुलिस को 18 फरवरी 2025 को सफलता मिली, जब बलिया जिले में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त अजय कुँअर पुत्र परमहंस कुँअर, उम्र 32 वर्ष, मूल रूप से जनपद बलिया के वासडीह रोड स्थित बिगही गांव का निवासी है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।थाना प्रभारी भरत कुमार पाठक के नेतृत्व में इस मामले की विवेचना की जा रही थी।

नहर में मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

लखनऊ, (आरएनएस) । के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव नहर में मिलने से हड़कंप मच गया। आज सुबह पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम मऊ में एक व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल के साथ नहर में मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही मोहनलालगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकाला।मृतक की पहचान दीपू (35) पुत्र स्वर्गीय राम विलास, निवासी ग्राम मऊ, कोहिनूर लॉन के पास, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है और मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है।पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, घटना के हर पहलू की गहनता से जांच की जा रही है। परिजनों द्वारा कोई शिकायत मिलने पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य है।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस) ।के पीजीआई थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोपी को पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तत्काल कार्रवाई की और आरोपी को उसके निवास स्थान से हिरासत में ले लिया।पीड़िता ने 18 फरवरी 2025 को थाना पीजीआई में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 से अब तक आरोपी आकाश रावत ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। इस दौरान वह नाबालिग थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मु0अ0सं0-81/2025 धारा 64 बीएनएस और 3/4 पाक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस ने तेजी दिखाते हुए सुराग जुटाए और अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। टीम ने अभियुक्त आकाश रावत पुत्र महेश रावत, उम्र 27 वर्ष, निवासी किराये का मकान 16 आई एलडी रेलवे कॉलोनी, थाना आलमबाग, लखनऊ (मूल निवासी खंदारी बाजार, लालबाग, थाना कैसरबाग) को 19 फरवरी की रात करीब 9:12 बजे उसके निवास स्थान से गिरफ्तार कर लिया।थाना प्रभारी रविशंकर त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ विधिक प्रक्रिया पूरी की जा रही है और आगे की जांच जारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में तेजी से कार्रवाई की जाएगी ताकि पीड़ित को शीघ्र न्याय मिल सके।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने वाला आरोपी गिरफ्तार, पीड़िता सकुशल बरामद

लखनऊ (आरएनएस)। के गोसाईगंज थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गोसाईगंज क्षेत्र निवासी वादी ने 1 फरवरी 2025 को अपनी 16 वर्षीय पुत्री के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी मोहम्मद फिरोज वारसी उर्फ बादल, जो विभिन्न इलाकों में जाकर सर्कस दिखाने का काम करता था, करीब दो महीने पहले पीड़िता के गांव में पहुंचा था। वहां रुककर उसने सर्कस का खेल दिखाया और इसी दौरान उसने किशोरी को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा देकर 31 जनवरी 2025 को भगाकर अमेठी जिले के जगदीशपुर ले गया। गोसाईगंज थाना पुलिस ने अभियुक्त की गिरफ्तारी और किशोरी की बरामदगी के लिए दो पुलिस टीमों का गठन किया। सर्विलांस और अन्य साक्ष्यों की मदद से 17 फरवरी 2025 को जगदीशपुर, अमेठी से किशोरी को सकुशल बरामद किया गया। हालांकि, आरोपी मौके से फरार हो गया था। लगातार तलाश के बाद 19 फरवरी 2025 को उसे गंगाखेड़ा अंडरपास, ग्राम महुराकला के पास से गिरफ्तार कर लिया गया। अभियुक्त फिरोज वारसी पर पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें चोरी और अपहरण के केस शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई पूरी कर उसे जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

प्रयागराज कुंभ में उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नव्व अजय राय ने लगाई आस्था की डुबकी

लखनऊ, (आरएनएस)। कुंभ में आस्था और श्रद्धा का सैलाब उमड़ पड़ा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री नव्व अजय राय ने आज षष्ठी तिथि के पावन अवसर पर संगम में आस्था की डुबकी लगाई।स्नान के बाद अजय राय ने विधि-विधान से मां गंगा का पूजन-अर्चन किया और लोक कल्याण की कामना की। उन्होंने देश की सुख, शांति और समृद्धि के लिए विशेष प्रार्थना भी की।इस अवसर पर कुंभ क्षेत्र में मौजूद श्रद्धालुओं और संत समाज ने उनका स्वागत किया। कुंभ में उमड़ी आस्था की भीड़ के बीच नव्व अजय राय की उपस्थिति खास चर्चा का विषय बनी रही।

कैसरबाग पुलिस ने मोबाइल चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार, चोरी का फोन बरामद

लखनऊ (आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट के कैसरबाग थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरी की एक घटना को सुलझाते हुए पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी पुलिस की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई का नतीजा है, जिससे चोरी हुए मोबाइल को भी बरामद कर लिया गया है।दरअसल, वादी विकास कुमार, जो ग्राम भिखारीपुर, पोस्ट त्रिवेदीगंज, हैदरगढ़, थाना लोनीकटरा, जनपद बाराबंकी के निवासी हैं, ने ऑनलाइन माध्यम से शिकायत दर्ज कराई थी कि उनका मोबाइल फोन चोरी हो गया है। इस शिकायत के आधार पर थाना कैसरबाग में मुकदमा संख्या 139/2024 धारा 305() बीएनएस के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस की जांच में यह सामने आया कि चोरी के इस मामले में एक संदिग्ध व्यक्ति का नाम प्रकाश में आया, जो अलमदार पुत्र हनीफ निवासी सिसैया कला, थाना धौरहरा, जनपद लखीमपुर खीरी है। जैसे ही इस व्यक्ति की संलिप्तता के सबूत मिले, पुलिस ने उसकी तलाश तेज कर दी।

सम्पादकीय

बचपन पर भारी स्मार्टफोन

तकनीक के जरिये विकास की अंधी दौड़ में हम बहुत कुछ खो भी रहे हैं। इंसान कभी मशीन से संचालित नहीं हो सकता। मानवीय संवेदनाएं और अहसास कभी कृत्रिम नहीं हो सकते। दूसरे शब्दों में कहें तो कोई तकनीक, मशीन व उपकरण सहयोगी तो हो सकते हैं, मगर मालिक नहीं हो सकते। कमोबेश यही बात शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर कही जा सकती है। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नई शैक्षिक परिपाटी में मोबाइल की अपरिहार्यता को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मानसिक व शारीरिक समस्याएं खड़ी कर रहा है। निस्संदेह, विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। तमाम पब्लिक स्कूलों ने ऑनलाइन शिक्षा के लिए मोबाइल फोन का इस्तेमाल अनिवार्य तक बना दिया है। कमोबेश सरकारी स्कूलों में ऐसी बाध्यता नहीं है। लेकिन वैश्विक स्तर पर किए गए सर्वेक्षण से यह तथ्य सामने आया है कि स्मार्टफोन एक हद तक तो सीखने की प्रक्रिया में मददगार साबित हुआ है, लेकिन इसके नकारात्मक प्रभावों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि एक समय महज बातचीत का जरिया माना जाने वाला मोबाइल फोन आज दैनिक जीवन की जरूरतों को पूरा करने वाला बेहद जरूरी उपकरण बन चुका है। खासकर कोरोना संकट के चलते स्कूल-कालेजों के बंद होने के बाद तो यह पढ़ाई का अनिवार्य हिस्सा बन गया। तब लगा था कि इसके बिना तो पढ़ाई संभव ही नहीं है। लेकिन नादान बच्चों के हाथ में मोबाइल बंदर के हाथ में उस्तरे जैसा ही है। जाहिरा तौर पर ये उनके भटकाव और मानसिक विचलन का कारण भी बन सकता है। अब इसके मानसिक व शारीरिक दुष्प्रभावों पर व्यापक स्तर पर बात होने लगी है। यहां तक कि आस्ट्रेलिया समेत तमाम विकसित देश स्कूलों में मोबाइल के उपयोग पर रोक लगा रहे हैं। अब तो यूनेस्को अर्थात संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन की दुनिया में शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने वाली टीम ने भी स्मार्टफोन के उपयोग से विद्यार्थियों पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों पर चिंता जतायी है। इसकी रिपोर्ट भारत में शिक्षा के नीति-नियंताओं की आंख खोलने वाली है। यूनेस्को की टीम के मुताबिक बीते साल के अंत तक कुल पंजीकृत शिक्षा प्रणालियों में से चालीस फीसदी ने सख्त कानून या नीति बनाकर स्कूलों में छात्रों के स्मार्टफोन के प्रयोग पर रोक लगा दी है। दरअसल, आधुनिक शिक्षा के साथ कदमताल की दलील देकर तमाम पब्लिक स्कूलों में मोबाइल के उपयोग को अनिवार्य बना दिया गया। निस्संदेह, आधुनिक समय में स्मार्टफोन कई तरह से शिक्षा में मददगार है। लेकिन यहां प्रश्न इसके निरंकुश प्रयोग का है। साथ ही दुनिया में बेलगाम इंटरनेट पर परोसी जा रही अनुचित सामग्री और बच्चों पर पड़ने वाले उसके दुष्प्रभावों पर भी दुनिया में विमर्श जारी है। जिसमें प्रश्न बच्चों की निजता का भी है। वहीं प्रश्न ज्यादा प्रयोग से बच्चों के दिमाग व शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों का भी है। निस्संदेह, शिक्षकों व अभिभावकों की देखरेख में सीखने की प्रक्रिया में स्मार्टफोन का सीमित उपयोग तो लाभदायक हो सकता है। लेकिन इसका अंधाधुंध व गलत उपयोग घातक भी हो सकता है। दरअसल, स्मार्टफोन में वयस्कों से जुड़े तमाम एप ऐसे भी हैं जो समय से पहले बच्चों को वयस्क बना रहे हैं। उन्हें यौन कुंठित बना रहे हैं। बड़ी चुनौती यह है कि बच्चों की एकाग्रता भंग हो रही है। बच्चों में याद करने की क्षमता घट रही है। ऐसे में जब शिक्षा में स्मार्टफोन का उपयोग टाला नहीं जा सकता, लेकिन उसका नियंत्रित उपयोग तो किया ही जा सकता है। निस्संदेह उसका उपयोग सीमित किया जाना चाहिए। संकट यह भी कि मोबाइल पर खेले जाने वाले ऑन लाइन गेम जहां बच्चों को मैदानी खेलों से दूर कर रहे हैं, वहीं स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डाल रहे हैं। निश्चित तौर पर फोन छात्र-छात्राओं का सहायक तो बन सकता है, लेकिन उनके दिमाग को नियंत्रित करने वाला नहीं।

आज का राशि फल

मेषः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम तीव्र होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

बृषभः- स्वयं पर भरोसा रख योजनाओं को सुचारू रुप से क्रियान्वित करें। सगे-संबंधों में सरल व व्यावहारिक बनने की कोशिश करें। अर्थाभाववश चिंता संभव।

मिथुनः- किसी महत्वपूर्ण कार्य में अवरोध से मन हतोत्साहित होगा। संबंधों के प्रति कुछ नयी शिकायतें संभव। किसी विद्वान के विचारों से प्रभावित मन में उत्साह का संचार होगा।

कर्कः- कुछ अच्छे आसारों से मन प्रफुल्लित रहेगा। पेशे संबंधी कोई यात्रा में अवरोध संभव। शिक्षार्थियों के लिए विशेष लाभ के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है।

सिंहः- किसी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा। आवेश में लिये गये निर्णय से पश्चाताप संभव। रोजगार में अति व्यस्तता रहेगी किंतु कायरे को समय से पूर्ण करें।

कन्याः- समस्याओं के समाधान हेतु मन नयी-नयी युक्तियों पर केंद्रित होगा। महत्वपूर्ण कायरें के प्रति आलस्य न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोधित न हो। जीवन साथी से मधुरता कायम रखें।

तुलाः- मन सकारात्मक विचारों से प्रभावित होगा। नाजुक संबंधों में संतुलित वाणी का प्रयोग करें। कोई हितैषी बिगड़े हुए संबंधों को सुधरवायेगा। रोजगार में अपनी क्षमता का लाभ उठाएंगे।

वृश्चिकः- सभी प्रकार के दायित्वों की पूर्ति हेतु संतुलित योजना पर चलें। किसी महत्वपूर्ण निर्णय में सगे-संबंधियों का सहयोग प्राप्त होगा। विरोधियों की प्रबलता से कार्यक्षेत्र में कुछ कठिनाइयां संभव।

धनुः- नये समीकरण लाभकारी कार्य क्षमता के परिचायक होंगे। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता बढ़ेगी। आय-व्यय में संतुलन बनाने का प्रयत्न करें। महत्वपूर्ण कायरे में आलस्य का त्याग करें।

मकरः- कोई नई जिज्ञासा मन को आकर्षित करेगी। भौतिक सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। शिक्षा-प्रतियोगिता की दिशा में किया गया परिश्रम सार्थक होगा। रोजगार में प्रगति संभव।

कुंभः- पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर उत्साहित होंगे। नियोजित कार्यकुशलता से प्रगति के लिए आशान्वित होंगे। सुखद कायरें की व्यस्तता रहेगी। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मीनः- क्षमता से परे किसी कार्य की जिम्मेदारी लेना हानिकार हो सकती है। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न करें। रोजगार में लाभ के नये अवसर प्राप्त होंगे। परिवार में मेहमान के आगमन से व्यय संभव।

क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भारत के प्रति अपना रुख नरम करेगी?

नित्य चक्रवर्ती

व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैठक के नतीजे का असर बांग्लादेश की अंतरिम सरकार पर पड़ सकता है, जिसका नेतृत्व डॉ. मोहम्मद यूनुस कर रहे हैं, जो 5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के हटने के तीन दिन बाद 8 अगस्त, 2024 से सत्ता में हैं। बांग्लादेश में विकास की दिशा को प्रभावित करने में अमेरिकी सरकार हमेशा एक बड़ी भूमिका निभाती रही है। 2025 में भी, वैसा ही रहेगा, हालांकि प्रक्रिया समय-समय पर बदलती रहती है। संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में जब राष्ट्रपति ट्रंप से बांग्लादेश के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि भारतीय प्रधानमंत्री इस पर विचार कर रहे हैं और वे लंबे समय से ऐसा कर रहे हैं। ट्रंप ने प्रतिक्रिया के लिए मोदी की ओर देखा, लेकिन उन्होंने बांग्लादेश के मुद्दे को टाल दिया और रूस-यूक्रेन युद्ध पर भारत के रुख पर बात की। ट्रंप की टिप्पणी विस्तृत नहीं थी, यह थोड़ी उलझन भरी थी क्योंकि उन्होंने इस मुद्दे पर विचार करते समय श्सौ सालश् कहा था। बांग्लादेश का जन्म 1971 में हुआ था, यानी सिर्फ 53 साल पहले, तो सौ साल का सवाल कहां था? हालांकि, नरेंद्र मोदी को बांग्लादेश के साथ अपने हिसाब से रिश्ते सुधारने की योजना पर आगे बढ़ने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति से मंजूरी मिल गयी। यह भारत सरकार के लिए बड़ी राहत की बात थी, क्योंकि विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने बाद में बताया कि बांग्लादेश पर ट्रंप की टिप्पणी से भारत को अपने पड़ोसी के साथ रिश्ते सुधारने में मदद मिलेगी। यह स्पष्ट नहीं है कि मोदी ने ट्रंप के साथ शेख हसीना के भारत से प्रत्यार्पण की यूनुस सरकार की मांग पर चर्चा की या नहीं, लेकिन संकेत मिले कि भारतीय पक्ष के पास दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में मौजूदा गिरावट की जड़ में मौजूद जटिल मुद्दों से निपटने के लिए अपनी नीति बनाने के लिए पर्याप्त लचीलापन होगा। बांग्लादेश सरकार भी व्हाइट हाउस में ट्रंप-मोदी वार्ता पर पैनी नजर रख रही थी। शिखर सम्मेलन के कुछ ही मिनटों बाद, दुबई में एक सम्मेलन में भाग लेने गये डॉ. यूनुस ने एलन मस्क से बात की और वार्ता के बारे में चर्चा की। हालांकि मस्क की सटीक प्रतिक्रिया ज्ञात नहीं है, लेकिन डॉ. यूनुस ने स्टारलिंक के मालिक को बांग्लादेश में स्टारलिंक की सेवाएं स्थापित करने का अधिकार देने की पेशकश की। एलन मस्क पहले ही भूटान में स्टारलिंक सेवाएं स्थापित कर चुके हैं और बांग्लादेश के बारे में पहले भी बातचीत हुई थी। यह जानते हुए कि मस्क एक सख्त व्यवसायी हैं, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार ने राजनीतिक मुद्दों पर बात करते हुए अपने व्यावसायिक प्रस्ताव से मस्क को प्रभावित करने की कोशिश की। उल्लेखनीय है कि नवंबर में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डॉ. मोहम्मद यूनुस के दूतों ने ट्रंप से मुलाकात की कोशिश की थी, लेकिन वे सफल नहीं हुए। ट्रंप के अनुसार डॉ. यूनुस हिलेरी क्लिंटन के मित्र हैं। ट्रंप ने पहले भी उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। बांग्लादेश में डॉ. यूनुस का खेमा ट्रंप-मोदी वार्ता को लेकर चिंतित था। चूंकि ट्रंप से संपर्क नहीं हो पाया, इसलिए डॉ. यूनुस ने एलन मस्क से संपर्क करना शुरू कर दिया, जिन्हें वे पहले से जानते हैं। गुरुवार को टेलीफोन पर बातचीत ट्रंप शासन में दूसरे नंबर के नेता को खुश रखने की इसी प्रक्रिया का हिस्सा थी। बांग्लादेश एक और घटनाक्रम से चिंतित है। वाशिंगटन दौरे के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री ने पहली बार राष्ट्रीय खुफिया निदेशक (डीएनआई) तुलसी गबार्ड से मुलाकात की। गबार्ड एक प्रसिद्ध अमेरिकी हिंदू हैं और प्रधानमंत्री की करीबी मित्र हैं। वे सीआईए ऑपरेशन की भी प्रभारी हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रपति ट्रंप से पिछले साल अगस्त में शेख हसीना को सत्ता से हटाने में श्डीप स्टेटश् की भूमिका के बारे में पूछा गया।

ट्रंप ने कॉन्फ्रेंस में इस बात से पूरी तरह इनकार किया क्योंकि वे किसी अन्य देश में सत्ता परिवर्तन में सीआईए जैसी अमेरिकी एजंसियों की किसी भी तरह की संलिप्तता की आधिकारिक पुष्टि नहीं कर सके। लेकिन सच्चाई यह है कि सत्ता संभालने के तुरंत बाद ही डीप स्टेट से जुड़े कुछ अधिकारियों को बाहर कर दिया गया। तुलसी गबार्ड अब सीआईए के संचालन पर आगे की निगरानी कर रही हैं ताकि इसे ट्रंप की सोच के अनुरूप नया स्वरूप दिया जा सके। अब यह स्पष्ट है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार भू-राजनीतिक दृष्टि से अपनी रणनीति को नये सिरे से तैयार कर सकती है, जिसमें दोनों पड़ोसियों के बीच मौजूदा तनाव की लड़ाई में भारत को अंतरिम अमेरिकी समर्थन को ध्यान में रखा जायेगा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने पहले ही पाकिस्तान और चीन के साथ अपने संबंधों का विस्तार किया है, लेकिन सरकार ट्रंप के अधीन अमेरिकी प्रशासन को परेशान करने के बारे में नहीं सोच सकती। सरकार चटगांव के पास देश के क्षेत्रीय जल में अमेरिकी बेस की पेशकश करने जैसा कोई रास्ता निकाल सकती है, जो शेख हसीना सरकार और पेंटागन के बीच विवाद का विषय था। अगर अमेरिका इसे बांग्लादेश के साथ किसी भावी सौदे के हिस्से के रूप में चाहता है, तो यह बांग्लादेश सरकार के लिए ट्रम्प प्रशासन की प्राथमिकताओं से भारत को अलग करने के प्रयासों में से एक विकल्प हो सकता है। आखिरकार, कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होते बल्कि सिर्फ स्थायी हित होते हैं। इसे कट्टर कारोबारी डोनाल्ड ट्रंप से बेहतर कोई नहीं जानता। बांग्लादेश के लिए अगला विकल्प पाकिस्तान और चीन के साथ संबंधों को और बेहतर बनाना है। लेकिन पाकिस्तान शायद अंतिम कदम न उठाये क्योंकि मौजूदा पाकिस्तानी सरकार ट्रंप-मोदी के संयुक्त बयान से नाखुश हो सकती है, खास तौर पर आतंकवाद से संबंधित बयान से। हालांकि, पाकिस्तान की मौजूदा सरकार या कोई भी दूसरी सरकार अमेरिका के खिलाफ कोई खुला रुख नहीं अपना सकती, जिसके साथ पाकिस्तान कई क्षेत्रों में जुड़ा हुआ है। चीन भी शायद ऐसी किसी धुरी में शामिल होने में दिलचस्पी न ले, अगर प्रस्तावित हो, क्योंकि चीन की मुख्य प्राथमिकता अब ट्रंप के साथ लेन-देन के आधार पर समझौता करना है। ट्रंप मानते हैं कि सिर्फ चीन और रूस ही उनके साथ बराबरी के स्तर पर बात करने की शक्ति रखते हैं। वे इसके लिए तैयार हैं। चीन-बांग्लादेश की राजनीति में खुले तौर पर हस्तक्षेप करने के बजाय व्यापार, खास तौर पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना प्रभाव बढ़ाने में खुश है। ऐसी परिस्थितियों में बांग्लादेश के लिए सबसे अच्छा विकल्प यही है कि वह शेख हसीना के भारत से प्रत्यर्पण की मांग को तत्काल मुद्दा न मानकर भारत के साथ संवाद के द्वार खोले। यदि बांग्लादेश मौजूदा सहयोगी परियोजनाओं में तेजी लाने और पिछले वर्षों में प्रस्तावित नये क्षेत्रों पर चर्चा शुरू करने जैसे शेष मुद्दों पर आगे बढ़ता है, तो द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव के अभूतपूर्व स्तर को कम किया जा सकता है। अंतरिम सरकार वर्ष के अंत तक आम चुनाव कराने की अपनी योजना पर आगे बढ़ सकती है, जिसमें सभी राजनीतिक दलों की भागीदारी हो, जिसमें अवामी लीग के सदस्य भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ कोई आपराधिक आरोप नहीं हैं। यूनुस शासन के लिए बांग्लादेश पर ट्रंप-मोदी वार्ता के मद्देनजर भारत को खुश करने की कोई भी नयी पहल मुश्किल हो गयी है, क्योंकि नयी सरकार के समर्थक, खासकर छात्र, भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर भारत के साथ किसी भी समझौते के लिए तैयार नहीं हैं। भारत फिलहाल इस पर सहमत होने के मूड में नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति को भारतीय दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कारण बताये होंगे। तो क्या यूनुस सरकार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग को दरकिनार करते हुए भारत के साथ बातचीत करने की हिम्मत दिखा सकती है, जो अब हसीना विरोधी गठबंधन के लिए एक भावनात्मक मुद्दा बन गया है? मोदी की ट्रंप के साथ बातचीत के बाद, क्या अमेरिका डॉ. यूनुस पर बिना किसी पूर्व शर्त के प्रत्यर्पण मुद्दे पर भारत के साथ बातचीत के लिए सहमत होने का दबाव बनायेगा? यह एक बड़ा सवाल है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का भविष्य तत्काल यहीं दांव पर लगा है। छात्र संगठन ने पहले ही यूनुस सरकार को नोटिस दे दिया है कि प्रत्यर्पण मुद्दे को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने में बहुत देरी हो चुकी है। यूनुस सरकार आधिकारिक तौर पर इस सप्ताह दिल्ली को चेतावनी के तौर पर एक और रिमाइंडर भेजने वाली है। अंतरिम सरकार के घटकों को आपस में इस नाजुक मुद्दे को सुलझाना होगा और किसी निर्णय पर पहुंचना होगा। इस पर भारत-बांग्लादेश संबंधों का अगला चरण निर्भर करता है।

मोदी, ट्रम्प और व्यावसायिक हित

अरविन्द मोहन

शेयर बाजार में चल रही मौजूदा दौर की गिरावट में बाजार के कुछ बड़े और कुशल खिलाड़ियों को कितने का नुकसान हुआ है यह हिसाब अब आने लगा है। कई का नुकसान लगभग एक तिहाई तक का है पर कुल मिलाकर बाजार इतना नहीं गिरा है। लेकिन ऐसे शीर्ष वाले लोगों का नुकसान अगर कुछ सौ करोड़ का है तो हमारे शेयर बाजारों के सारे निवेशकों का नुकसान दसेक लाख करोड़ रुपए से अधिक का हो चुका है और उसकी चर्चा कम है। यह पैसा आम लोगों का तो है ही, उनके बैंक जमा, प्राविडेन्ट फंड, साझा कोशों और बीमा कंपनियों को चुकाए उनके प्रीमियम की रकम का है। और आम तौर पर यह धन शेयर बाजार के विशेषज्ञों के साथ ही सरकार के इशारों पर बाजार में लगता है, उसे चढ़ाता और गिराता है। इस बार का भूचाल अमेरिकी शासन के बदलाव से जुड़ा है अर्थात डोनाल्ड ट्रम्प के फिर से राष्ट्रपति बनने के बाद लिए उन फैसलों और आने वाले फैसलों की आशंका से इसका रिश्ता है जिसे वे अमेरिका को फिर से महान बनाने के अपने वायदे के हिसाब से ले रहे हैं या लेने वाले हैं। इस बीच हमारे रुपए को गोता लगाने से बचाने के लिए(फिर भी उसने अच्छी खासी गिरावट दर्ज की है) रिजर्व बैंक ने कितना दंड-प्राणायाम किया है वह अलग हिसाब है पर उसने हमारी गाढ़ी कमाई के हजारों करोड़ मूल्य के डालर बाजार में उतारे हैं। और मोदी राज की शुरुआत में पच्चीस हजार के रेट वाले सोना ने आज प्रति दस ग्राम नब्बे हजार का स्तर छूकर कितनों को रुलाया है, यह हिसाब भी आसानी से लगाया जा सकता है। कोई उम्मीद कर सकता है कि जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका यात्रा की और ट्रम्प से मिले (या ऊनके पहले विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका में अड्डा डाला था) तो वे जरूर महाबली अमेरिका के इस राष्ट्रपति से अपना दुखदर्द कहेंगे और अभी तक जारी अच्छे राजनयिक संबंधों के आधार पर अपनी परेशानियों का समाधान चाहेंगे, अमेरिका-भारत संबंधों में इसके चलते खटास न आए, इसका इंतजाम करेंगे। ट्रम्प दोबारा चुनाव जीतकर कुछ ज्यादा ही आत्मविश्वास और अमर्यादित व्यवहार पर उतरे लगते है, शपथ ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने दो सौ से ज्यादा बड़े फैसलों पर दस्तखत करके दुनिया को श्दहलाश् दिया था और अभी भी उनका उत्साह जारी है। इस उत्साह को दुस्साहस बताने वाले कम नहीं है क्योंकि इससे अमेरिका का लाभध्घाटा क्या होगा यह हिसाब नुकसान की तरफ जाता लगता है। कहा जाता है कि ट्रम्प इस बात से ज्यादा खुश न थे कि उनका मित्र माने जाने वाले मोदी ने बाइडन प्रशासन से भी अच्छा संबंध रखा और चुनाव

हारने के कारण उनकी तरफ पीठ फेर लिया था। इसलिए मोदी और ट्रम्प की दोस्ती के पक्षधर इस बात को लेकर खुश हैं कि इस यात्रा में प्रधानमंत्री पुरानी गर्मजोशी हासिल करने में सफल रहे। बातचीत, व्यवहार, राजनयिक शिष्टाचार से लेकर इस यात्रा में हुए समझौतों के आधार पर ऐसा नहीं लगता क्योंकि सारा हिसाब अमेरिका के पक्ष में झुका हुआ है। और साझा प्रेस कांफ्रेंस में ट्रम्प ने जिस तरह से मोदी जी के प्रति व्यवहार दिखाया वह सामान्य न था, बल्कि कई बार तो यह खिल्ली उड़ाने के करीब तक पहुंच गया। और मोदी जी ट्रम्प प्रशान के करीबी उद्यमी एलन मास्क से मिलने और उनके भारत से व्यावसायिक रिश्ते बनाने को लेकर जितने बेचैन रहे हैं उसमें उनका व्यवहार भी सामान्य शिष्टाचार वाला न था। वे प्रधानमंत्री से भेंट में अपनी पत्नी, बच्चों के साथ बच्चों की देखरेख करने वाली सहायिका को भी लेकर पहुंचे थे। और सामान्य निष्कर्ष यही रहा कि इस यात्रा से भारत- अमेरिकी दोस्ती में कोई कड़वाहट न आई या वैसा कुछ था तो वह खत्म हुआ लेकिन कुल मिलाकर अमेरिका लाभ की स्थिति में रहा। उसने मनमाने व्यावसायिक करार किए और भारत ने ज्यादा ना नुकर न करते हुए उन्हें स्वीकार किया। इसमें गैरजरूरी सैन्य सामग्री की खरीद का करार भी शामिल है और तेल समेत कुछ ऐसे सौदों का प्रसंग उठाना भी है जिनमें समझौता करना भारत को महंगा पड़ेगा। रूस या इराकी-कुवैती तेल हमें बहुत सस्ता और सुविधाजनक पड़ता है। जिस सवाल की चर्चा ट्रम्प-मोदी साझा प्रेस कांफ्रेंस में ज्यादा थी और जिस पर ट्रम्प ने भी मजा लिया वह हमारे उद्यमी गौतम अदानी के खिलाफ अमेरिका में चलाने वाले मामलों से जुड़ा था और जिस पर प्रधानमंत्री ने बहुत ही दार्शनिक किस्म का जवाब देकर बचते नजर आए। असल में इस दौर की वार्ता और समझौतों का बीज विषय यही लगता है और प्रधानमंत्री का वह जवाब मोदी सरकार के बचाव की मुद्रा को बताता है। बातचीत और समझौतों से पहले खबर आ गई कि अडानी के खिलाफ चल रहे मुकदमों में राष्ट्रपति दखल देकर हमारे व्यवसायी को राहत देंगे। अडानी पर गलत सूचनाएं देकर अमेरिकी निवेशकों से धोखा करने और आंध्र प्रदेश सरकार के अधिकारियों को घूस देने के मामले दर्ज हुए थे। उससे एक हाहाकार पहले मच चुका था। और जब विदेश मंत्री जयशंकर ट्रम्प के शपथ ग्रहण समारोह में भागीदारी करने गए थे तब यह हुआ कि मामला स्थानीय अदालत से उठकर फेडरल कोर्ट में आ गया था। माना जाता है कि स्थानीय अदालतें ज्यादा स्वायत्त हैं और फेडरल कोर्ट और कानून में राष्ट्रपति का दखल संभव है। इस अमेरिकी यात्रा और इस तरह के फैसले करने कराने की तैयारी उसके पहले शुरू हो गई थी और अभी भी चल रही है। अभी भी इस्पात और अल्युमिनियम पर सीमा शुल्क पच्चीस फीसदी करने की माथापच्ची चल रही है क्योंकि ट्रम्प ऐसा चाहते है। ट्रम्प विश्व व्यापार संगठन के जरिए बनी वैश्विक व्यापार नियमों से खासे खफा है जबकि वाशिंगटन कंसनसेस से शुरुआत करके गैट और विश्व व्यापार संगठन बनवाने और उसकी मुश्किल शर्तें मनवाने में अमेरिका ने ही केन्द्रीय भूमिका निभाई थी। इस संगठन का सबसे बड़ा चरित्र व्यापार संबंधों को द्विपक्षीय की जगह बहुपक्षीय बनाना था और इन शर्तों को मनवाने के लिए सख्त निगरानी और दंड-पुरस्कार की व्यवस्था बनानी थी। आज ट्रम्प इस सब पर पानी फेरते हुए संरक्षणवाद और द्विपक्षीय व्यापार पर जोर दे रहे है। दुनिया इसी डर से कांप रही है क्योंकि एक अनुमान के अनुसार सब कुछ ट्रम्प के अनुसार चला तो अमेरिका की ही विश्व व्यापार में हिस्सेदारी 15 से घटकर 12 फीसदी रह जाएगी। दूसरी ओर चीन आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में अमेरिका समेत सारे विकसित देशों के मंसूबों पर पानी फेर रहा है। अमेरिका समेत सभी देश अपने व्यवसायियों के हितों को बढ़ाते हैं, उनको संरक्षण देते है, पर सिर्फ एक समूह को अदालती कार्रवाई से बचाने के लिए भारत जिस तरह इस यात्रा में बेचैन दिखा है वैसा और कहीं नहीं दिखता।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त की जल्दबाजी में नियुक्ति

जिस प्रकार से लोकतांत्रिक मर्यादाओं तथा परम्पराओं को ताक पर रखकर, जल्दबाजी में केन्द्र सरकार ने 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (चीफ इलेक्शन कमिश्नर- सीईसी) की नियुक्ति की है उससे चुनाव सुधार की उम्मीदों पर फिर से पानी फिर गया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के 18 फरवरी को सेवानिवृत्त होने से पहले ही केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय में 17 फरवरी की शाम एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के अलावा नेता प्रतिपक्ष भी शामिल हुए। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस बैठक के लिए पहले ही आपत्ति जाहिर कर दी थी, बावजूद इसके सरकार ने उन आपत्तियों को दरकिनार करते हुए न केवल बैठक की, बल्कि सोमवार देर रात नए मुख्य निर्वाचन आयुक्त के तौर पर ज्ञानेश कुमार को नियुक्त कर दिया। इस नियुक्ति पर भी विपक्ष सवाल उठा रहा है। 1988 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी ज्ञानेश कुमार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय में अपने कार्यकाल के दौरान जम्मू-कश्मीर में संविधान के अनुच्छेद 370 के कुछ प्रावधानों को निरस्त किये जाने के बाद निर्णय को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और 15 मार्च, 2024 को निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला था। ये पहली बार है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त का चयन मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और पदावधि) अधिनियम, 2023 के तहत हुआ है। इससे पहले बीते साल ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को नए कानून के तहत चुनाव आयुक्त चुना गया था।निवर्तमान मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल कई किस्म के विवादों में घिरा रहा। आरोप लगे कि उनके रहते आयोग ने भाजपा की सुविधानुसार चुनावी कार्यक्रम बनाना, सिर्फ विरोधी दलों के खिलाफ कार्रवाइयां करना, भाजपा के गलत कार्यों की अनदेखी करना, आचार संहिता का प्रतिपक्ष को दबाने में इस्तेमाल करना और विरोधियों को न सुनना जैसे कार्य किए। उनके दौर में हुए लगभग हर चुनाव में गड़बड़ी की शिकायतें विपक्ष ने कीं। ईवीएम में छेड़छाड़ से लेकर मतदाता सूची की गड़बड़ी जैसे गंभीर आरोपों के सवाल उठे, मतदान खत्म होने के कुछ घंटों के बाद वोटिंग का प्रतिशत बढ़ जाना, मतगणना बीच में रुकने या धीमी होने के बाद कुछ ही मिनटों में हारती हुई भाजपा की सीटों का इतना बढ़ जाना कि वह राज्यों में सरकार बना ले आदि ऐसी घटनाएं हैं जो हमेशा संदेह के घेरे में रहेंगी। विपक्ष ने भाजपा की जेबी संस्था, चूना आयोग जैसे शब्द चुनाव आयोग के लिए किए ताकि उसके आरोपों की गंभीरता समझी जाए। लेकिन इन सबका कोई असर संभवतः सरकार पर नहीं हुआ। लोकतंत्र के पक्ष में वे सारे लोग जो एक स्वतंत्र, मजबूत और निष्पक्ष चुनाव आयोग की उम्मीद राजीव कुमार के जाने के बाद लगाये बैठे थे, वे इसलिये मायूस हैं क्योंकि उन्हें वांछित बदलाव की अब कोई उम्मीद नहीं रह गयी है क्योंकि नये सीईसी का उसी धारा में तैरना लगभग तय माना जा रहा है। सीईसी के रूप में ज्ञानेश का कार्यकाल जनवरी, 2029 तक रहेगा। इस दौरान उनकी देखरेख में लगभग 20 विधानसभा चुनाव होंगे तथा अगली लोकसभा के लिये 2029 में होने वाली सारी भी तैयारियां वे करके जायेंगे- यदि उन्हें सेवा विस्तार नहीं मिलता तो। ऐसा तभी होगा यदि वे राजीव कुमार की बनाई लीक से हटकर काम करेंगेय जिसकी उम्मीद कम है। केन्द्रीय निर्वाचन आयोग हमेशा भाजपा सरकार की जेब में बनी रहे, इसकी तैयारी पहले से कर ली गयी थी। 2023 में सीईसी नियुक्ति अधिनियम में संशोधन कर चयन समिति से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटा दिया। इसका उद्देश्य साफ था कि चयन प्रक्रिया में बहुमत सरकार का बना रहे। इसे लेकर विपक्ष, खासकर कांग्रेस आपत्ति जताती रही है। इसके खिलाफ शीर्ष कोर्ट में एक याचिका भी लगाई गयी है जिस सम्बन्ध में तीन सुनवाइयां हो चुकी हैं और अगली सुनवाई बुधवार 19 फरवरी को ही निर्धारित है। कहीं उच्चतम न्यायालय इस नियम को अवैध न ठहरा दे, इसलिये अदालती फैसले हेतु ठहरने की बजाये (और आशंका में) सोमवार को बैठक बुलाकर राहुल की कड़ी आपत्ति के बावजूद नया सीईसी घोषित किया गया। सरकार रुक सकती थी क्योंकि फिलहाल देश में कोई चुनाव नहीं है। केवल बिहार का होगा- वह भी इस साल के अंत में। आधी रात को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने हस्ताक्षर भी कर दिये। इसलिये राहुल ने इस प्रक्रिया को श्अपमानजनक व अशिष्टय बतलाया है जो कि गलत नहीं है। राहुल गांधी ने अपनी आपत्ति का एक पत्र केंद्र सरकार को दिया है।

हिंदी दैनिक
विशाल विचार
प्रयागराज
कानपुर, गुरूवार 20 फरवरी 2025

गुमशुदा को सकुशल खोजकर परिजनों को सौंपा

विशाल विचार,संवाददाता

कानपुर।पुलिस आयुक्त महोदय के आदेशानुसार चलाए जा रहे गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश अभियान के तहत थाना बजरिया पुलिस टीम ने दो गुमशुदा व्यक्तियों को सकुशल बरामद किया। पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) व अपर पुलिस उपायुक्त (सेंट्रल) के निर्देशन में तथा सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के पर्यवेक्षण में की गई इस कार्रवाई में थाना बजरिया पुलिस की टीम ने 24 वर्षीय मोहम्मद कलीयर (निवासी कंघी मोहाल, कानपुर) जो 6 फरवरी 2025 से लापता थे, और 68 वर्षीय श्रीमती शकुंतला मिश्रा (निवासी रामबाग, कानपुर) जो 11 फरवरी 2025 से गुमशुदा थीं, को ढूंढ निकाला। थाना प्रभारी अरविंद कुमार शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम के अथक प्रयासों से इन व्यक्तियों को उनके परिजनों को सुरक्षित सौंप दिया गया। इस सफलता पर स्थानीय जनता ने बजरिया पुलिस की भूरी-भूरी प्रशंसा की और गुमशुदा व्यक्तियों के परिवारजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

विशाल विचार,संवाददाता।

कानपुर।पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर के निर्देश पर अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना बजरिया पुलिस ने एक व्यक्ति को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल और सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के पर्यवेक्षण में, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार मिश्र व उनकी टीम गश्त पर थी, जब

कब्रिस्तान के पास संदिग्ध रूप से घूम रहे साहिबे आलम उर्फ लग्गड़ (निवासी कर्नलगंज, उम्र 40 वर्ष) को रोका गया। तलाशी में उसके पास से एक 315 बोर का देशी तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। आरोपी के खिलाफ थाना बजरिया में मु.अ.सं. 16/25 धारा 03/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक दिलीप कुमार मिश्र, शहनूर अहमद, हेड कांस्टेबल आमिर रजा और कांस्टेबल ललित कुमार शामिल रहे।

फ़िल्मी अंदाज में युवक को घर के अन्दर घसीटकर गोली मारी, मौत

विशाल विचार

कानपुर। सजेती थाना क्षेत्र के दौलतपुर गाँव में दबंगई और पुरानी रंजिश के कारण एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने खुद को अपने ही घर में कैद कर लिया, और खुद ही वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जानकारी के मुताबिक, मृतक रवी यादव और आरोपी मधुराम त्रिपाठी के बीच पहले से ही रंजिश चल रही थी। बुधवार को विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी मधुराम ने युवक को घर में घसीटकर उस पर गोली चला दी। गोली लगते ही युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद आरोपी ने खुद को अपने घर में बंद कर लिया, और तमंचे से गोली मारने की बात स्वीकारते हुए एक वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया दिल दहला देने वाली इस घटना की

जानकारी मिलते ही सजेती थाना पुलिस मौके पर पहुंची, स्थिति को देखते हुए पुलिस ने उच्चाधिकारियों को जानकारी दी, जिसके बाद दस थानों की फोर्स और पीएसी मौके पर तैनात की गई। पुलिस घंटों आरोपी मधुराम के घर के बाहर खड़ी रही बाद में पुलिस नें आरोपी सहित छः लोगों को गिरफ्तार किया है , गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है। मौके पर मौजूद अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सुविधाओं का किया जाए अधिकतम उपयोग : गौरव दयाल

-समीक्षा बैठक में मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य कर्मियों को दिया निर्देश

अयोध्या(आरएनएस)। मण्डलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता में स्वास्थ्य कार्यक्रमों की मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक आयुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित की गयी। इस दौरान अपर निदेशक स्वास्थ्य, मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक एन0एच0एम0 सहित मण्डल के सभी सी0एम0ओ0, ए0सी0एम0ओ0 सहित अन्य सम्बंधित उपस्थित रहे। मण्डलायुक्त ने स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रति संवेदनशील रहकर कार्य करने व स्वास्थ्य सम्बंधी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन को समय से उपलब्ध कराने हेतु मण्डल के सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिये कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की सुविधाओं का अधिकतम उपयोग किया जाए ताकि अधिकतर मरीजों का इलाज स्थानीय स्तर पर हो सकें। मण्डलायुक्त ने ऑनलाइन पोर्टल ई-कवच पर 30 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी व्यक्तियों की स्क्रीनिंग के प्रावधान पर जोर देते

हुए शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि आयुष्मान आरोग्य मंदिर के माध्यम से इसका शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाए जिससे अधिकतम लोगो की प्रारंभिक अवस्था मे ही बीमारी की जानकारी हो सके और उनका इलाज ससमय किया जा सके। उन्होंने राष्ट्रीय टी0बी0 नियंत्रण कार्यक्रम के समीक्षा के दौरान लाभार्थियों को निःक्षय पोर्टल योजना के अंतर्गत मिलने वाले भुगतान पर जोर दिया। राष्ट्रीय अन्धता कार्यक्रम के अन्तर्गत अधिक से अधिक लोगों का ऑपरेशन कर लक्ष्य पूर्ति के लिए कार्ययोजना बनाये जाने के निर्देश दिये। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की क्रियाशीलता,स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान, फाइलेरिया उन्मूलन अभियान सहित अन्य स्वास्थ्य कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गयी। बैठक का संचालन मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक एन0एच0एम0 व अपर निदेशक स्वास्थ्य द्वारा किया गया। इस दौरान सभी सम्बंधित उपस्थित रहे।

कुम्भ स्पेशल ट्रेन से कटकर वृद्ध की मौत

गोसाईंगंज-अयोध्या (आरएनएस)। गोसाईंगंज कोतवाली इलाके के नन्दनगर के पास बाराबंकी जफराबाद रेलवे प्रखंड पर कुम्भ स्पेशल ट्रेन से कटकर एक 60वर्षीय वृद्ध ने की मौत हो गयी। स्टेशन मास्टर की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त में जुट गई परन्तु काफी मशक्कत के बावजूद शिनाख्त नही हो सका। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया। एसआई उपेन्द्रप्रताप सिंह के मुताबिक करीब चार बजे कुम्भ स्पेशल ट्रेन अयोध्या से अकबरपुर की तरफ जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रेन जैसे ही नन्दनगर गांव के पास पहुंची कि तभी एक वृद्ध दौड़ता हुआ आया और ट्रेन के सामने कूद गया। ट्रेन वृद्ध को चीरती हुई आगे बढ़ गयी। गैंगमैन बृजेश पांडे ने इसकी जानकारी स्टेशन मास्टर को दिया।

पुण्यतिथि पर याद किए गये स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी आचार्य नरेन्द्र देव

-खत्री समाज के लोगों ने नरेन्द्रालय में स्थापित प्रतिमा पर अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्या (आरएनएस)। भारत के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी शिक्षाविद समाजवाद के पुरोधा साहित्यकार आचार्य नरेंद्र देव की पुण्यतिथि पर खत्री समाज के लोगों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर शहर के रिकाबगंज से नरेन्द्रालय में स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण करके श्रद्धासुमन श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर प्रांतीय खत्री सभा उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संजय महिंद्रा ने कहा कि आचार्य नरेंद्र देव भारत के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पत्रकार साहित्यकार शिक्षाविद समाजवाद के पुरोधा होने के साथ विलक्षण प्रतिभा और व्यक्तित्व के स्वामी थे देश को स्वतंत्र करने का जुनून उन्हें स्वतंत्रता आंदोलन में खींच लाया और भारत की आर्थिक दशावा गरीबों की दुर्दशा ने उन्हें समाजवादी बना दिया राजनीति के अलावा दूसरी प्रवृत्ति उन्हीं के शब्दों में लिखने पढ़ने की ओर रही है इस दशा में आचार्य नरेंद्र देव जी का योगदान अत्यंत महत्व का है उन्होंने अचार और कुलपति की हैसियत से अपने अपनी विद्वत्ता उदारता और चरित्र के द्वारा अध्यापन और प्रशासन का जो उच्च आदर्श काम किया वह अनुकरणीय उनके किए गए कार्यों को भूल पाना बहुत मुश्किल है हम सब उनके पद चोन पर चले यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। महिंद्रा ने नरेन्द्रालय की दुर्दशा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आचार्य नरेंद्र देव ने देश ही नहीं विश्व में नाम कमाया लेकिन उनके नाम पर बने पार्कों नरेंदालय की दुर्दशा पर अफसोस होता है एक महान पुरुष के नाम पर शहर का एकमात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम करने तथा शादी विवाह आदि समारोह करने वाले स्थल नरेन्द्रालय को नगर निगम ने कूड़े का अड्डा बना पुलिस तथा अपने डिपार्टमेंट का अस्थाई कार्यालय बना रखा है जो पूर्ण रूप से जर्जर हो चुका है आचार्य नरेंद्र देव की प्रतिमा जिस स्थल पर लगी है वह भी जर्जर है तथा मूर्ति का रंग भी उतर चुका है इन सब मुद्दों को लेकर अयोध्या नगर निगम के मेयर जी से जल्द ही समाज के लोग एक ज्ञापन देकर सौंदरीकरण करने की मांग करेंगे। श्रद्धांजलि समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थित होने वालों में समाज के संरक्षक आलोक मनचंदा संरक्षक राजीव साहनी हरीश कुमार धवन उपाध्यक्ष आलोक मनोचा उपाध्यक्ष संजय मेहरोत्रा उद्योग कोषाध्यक्ष अनुराग खन्ना सचिव सचिन सरीन सचिव निखिल टंडन सांस्कृतिक मंत्री विवेक सहनी राणा सिविल मयंक साहनी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

एसडीएम एक्शन में, रोड पर अतिक्रमण मंजूर नहीं

सोहावल-अयोध्या,(आरएनएस)। रौनाही थाना क्षेत्र के सोहावल चौराहे का अतिक्रमण हटवा चुके उप-जिलाधिकारी सोहावल अभिषेक कुमार सिंह को बुधवार की शाम वाहन चालकों द्वारा फिर से रोड पर अवैध रूप से कब्जा कर वाहन खड़ा करना नागवार गुजरा। अधिकारी ने मौके पर ही अपना वाहन खड़ा कर ड्यूटी से लापरवाह रहे पुलिस कर्मियों को फटकारा और रोड पर खड़ी की गई कार संख्या यूपी 42 आर 4005 को एक पिकप से टोचन कर ले जाने और सीज करने का निर्देश दिया। प्रशासन की इस कार्रवाई से अन्य वाहन चालकों और दुकानदारों में थोड़ी देर के लिए भगदड़ मची रही।

इनरव्हील क्लब ने स्काउटिंग के 30 कब बच्चों को निःशुल्क यूनिफार्म सौंपी

अयोध्या(आरएनएस)। नौनिहालों की तरक्की के लिए इनरव्हील क्लब अयोध्या ने प्राथमिक विद्यालयों में स्काउटिंग के 30 कब छात्रों को निःशुल्क यूनिफार्म प्रदान की। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सन्तोष कुमार राय की मौजूदगी में क्लब की अध्यक्ष स्वाती टंडन ने अन्य सदस्यों के साथ प्राथमिक संवर्ग में विकासखंड मसौधा के कंपोजिट विद्यालय ऊसरू,पूरा के प्राथमिक विद्यालय पलिया टेकधर, सोहावल के प्राथमिक विद्यालय सनाहा, हैरिंगटनगंज के कंपोजिट विद्यालय गिरधरामऊ एवं नगर क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय कटरा के 6-6 बच्चों को यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। बच्चों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, चारित्रिक, आध्यात्मिक विकास के साथ ही स्काउटिंग से बच्चों में देशप्रेम की भावना जागृत होती है और वहीं सेवा का भाव विकसित होता है। पिछले वर्ष भी इनर व्हील क्लब द्वारा 72 बुलबुल छात्रों को निशुल्क यूनिफॉर्म प्रदान की गई थी। कार्यक्रम में जिला गाइड कैप्टन श्रीमती निधि महेंद्रा ने अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा क्लब अध्यक्ष श्रीमती टंडन ने पौधा सौंपकर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी का आभार प्रकट किया।लीडर ट्रेनर जिला स्काउट मास्टर अनूप मल्होत्रा ने आए हुए सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया। 20 फरवरी से कब बुलबुल के द्वितीय चरण/रजत पंख का प्रशिक्षण जनपद के विभिन्न विषय विशेषज्ञ अध्यापकों द्वारा प्रदान किया जाएगा। यूनिफॉर्म वितरण समारोह में जिला समन्वयक प्रशिक्षण आदर्श सिंह,इनरव्हील क्लब की पूर्व अध्यक्ष ममता सिंह,क्लब सचिव दीप्ति श्रीवास्तव,बीना अग्रवाल, अंजू अग्रवाल,अनामिका मिश्रा, कासिम मेहंदी, विशाल कुमार,ललित कुमार, सुमित सिंह,शिप्रा श्रीवास्तव पटल सहायक धीरज कन्नौजिया आदि मौजूद रहे।

नये विजन के साथ विकास की अवधारणा को सम्बल प्रदान करेगा केन्द्रीय बजट : संजय राय

अयोध्या(आरएनएस)। केन्द्रीय बजट 2025-26 पर भाजपा कार्यालय सहादतगंज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में वक्ताओं द्वारा केन्द्र सरकार के वर्ष 2025-26 बजट के बारे में चर्चा की गई। बजट की जमकर सराहना की गई। प्रदेश महामंत्री व अवध क्षेत्र के प्रभारी संजय राय ने कहा कि केन्द्र सरकार के द्वारा प्रस्तुत किया गया बजट महिलाओं, किसानों, गरीबों व युवाओं के सुन्दर भविष्य की रुपरेखा तय करेगा। यह नये विजन के साथ विकास की अवधारणा को सम्बल प्रदान करेगा। बजट के माध्यम से हर वर्ग को सशक्त बनाने की योजना सरकार ने प्रस्तुत की है। केन्द्रीय बजट में नई कर व्यवस्था के तहत 12 लाख रुपये तक की वार्षिक आय पर कोई आयकर स्लैब लागू नहीं होगा। इससे मध्यम वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने कहा कि बजट पीएम मोदी के मिशन 2047 की अहम कड़ी साबित होगा। यह समाज के हर वर्ग की आकांक्षा को पूरा करेगा। देश की अर्थव्यवस्था को इससे काफी सम्बल मिलेगा। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि बजट पूरी तरह से लोककल्याणकारी है। जिसमें सर्वांगीण विकास की अवधारणा समाहित है। गरीबों, किसानो, महिलाओं के विकास को प्राथमिकता दी गयी है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि बजट समग्र विकास को सुनिश्चित करेगा। सबका साथ सबका विकास की अवधारणा और मजबूत होगी। प्रत्येक नागरिक को हर दृष्टि सशक्त बनाने की ओर बजट एक अहम कड़ी साबित होगा। संगोष्ठी को पूर्व जिलाध्यक्ष ओम प्रकाश सिंह, अवधेश पांडे बादल, अशोक कसौधन, राघवेन्द्र पाण्डेय ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान शैलेन्द्र कोरी, तिलकराम मौर्या, डा राकेश मणि त्रिपाठी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सरोज मिश्र, आशा गौड़, प्रतिमा शुक्ला, बब्लू मिश्र, बड़ी संख्या में व्यापारी, अधिवक्ता तथा शिक्षक वर्ग की मौजूदगी रही।

थम नहीं रही स्टाम्प की कालाबाजारी, नोटरी बनवाना हुआ मंहगा

सोहावल-अयोध्या(आरएनएस)। लगभग तीन महीने से 10 और 100 रुपये का स्टाम्प बाजार से गायब है। ई स्टाम्प की कुछ दुकानों पर इसे तीन गुना मूल्य पर बेचा जा रहा है। तहसील प्रशासन की नाक के नीचे परिसर में चल रही दुकानों के संचालकों को भी इसे लेकर कोई भय नहीं है। एक नोटरी बनवाने के लिए लोगों को 10 रुपये की जगह 50 रुपये का स्टाम्प लगाना पड़ रहा है। जो डेढ़ गुना मूल्य पर उपलब्ध है। एक नोटरी जो पचास रुपये में बनती थी अब सौ रुपये में बन रही है।

तहसील मुख्यालय पर प्रतिदिन कई दर्जन लोगों की नोटरी बनती है। जिसमें सबसे ज्यादा जरूरत मंद युवा, छात्र - छात्राएं, महिलाएं होती है। इसके लिए अधिकृत दस और 100 रुपये का स्टाम्प बाजार से गायब है। ई स्टाम्प बेचने का लाइसेंस लेकर बैठे विक्रेता इन्हे खुले आम तीन गुना मूल्य लेकर बेंच रहे है। 10 रुपये का स्टाम्प 30 रुपये में बेंचा जा रहा है। तहसील मुख्यालय परिसर से लगी दुकानों के दुकानदारों तक को इसे कालाबाजारी करने में भय नहीं लगता। अधिवक्ताओं से इनका नोक झोंक होना आम बात बन चुकी है। पांच सौ मीटर की दूरी पर स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में ई स्टाम्प बेचने का अलग काउंटर बना है। यहां भी केवल रजिस्ट्री कराने वालों को ही स्टाम्प देने की सुविधा मिलती है। जन सामान्य को स्टाम्प देने से इंकार कर दिया जाता है।

अयोध्या-लखनऊ बाईपास पर वशिष्ठ कुंज बसा रही सरकार

-अयोध्या(आरएनएस)। भविष्य की अयोध्या में चार-चांद लगाने वाली बहुप्रतिष्ठित वशिष्ठ कुंज योजना को संवारने की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई है। पहले चरण के विकास का खाका खींचा जा चुका है। 56.58 करोड़ की लागत से सड़क इत्यादि का निर्माण शुरू करा दिया गया है। दावा है कि इसे लखनऊ की तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इसके लिए अब तक 2300 के करीब लोगों ने आवेदन किया है। इस माह के अंत तक लॉटरी निकाली जा सकती है।मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के तहत अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जाने वाली वशिष्ठ कुंज फेज-1 आवासीय योजना लखनऊ हाईवे पर स्थित है। अयोध्या के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाली वशिष्ठ कुंज आवासीय योजना में आवेदन की तिथि समाप्त होने के बाद अब भूखंडों को तैयार करने के अलावा अन्य कार्यों को किया जा रहा है। इसमें सड़क के अलावा नाली, सीवर, वाटर लाइन डालने के अलावा बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जा रहा है। फिरोजपुर उपरहार गांव के पास इस योजना के तहत प्लॉटिंग तेजी से हो रही है।

न्यूज डायरी

जिला बदर अपराधी गिरफ्तार, सीसामऊ पुलिस की बड़ी कार्यवाही

विशाल विचार,संवाददाता

कानपुर। पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सीसामऊ पुलिस ने एक शातिर जिलाबदर अपराधी शोभित वर्मा उर्फ रितिक वर्मा को गिरफ्तार किया है।पुलिस उपायुक्त सेंट्रल एवं अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल के निर्देशन तथा सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के निकट पर्यवेक्षण में, थाना प्रभारी सीसामऊ के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। दौराने चेकिंग पुलिस को सूचना मिली कि जिलाबदर अपराधी शोभित वर्मा द्वारिकापुरी बाजार में घूम रहा है। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए उपनिरीक्षक संकल्प पाण्डेय व उपनिरीक्षक सुमित ने उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध थाना सीसामऊ में मु.अ.सं. 07/2025 धारा 10 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गयी। गिरफ्तार किए गए आरोपी का आपराधिक इतिहास लंबा है। उसके खिलाफ कई संगीन धाराओं में मामले दर्ज हैं, जिनमें मु.अ.सं. 45/2024 धारा 307/326/504 भादवि थाना सीसामऊ, मु.अ.सं. 64/2024 धारा 118(2)/231/61(2) बीएनएस व 3/25 आर्म्स एक्ट थाना सीसामऊ, और मु.अ.सं. 64/2023 धारा 147/323 भादवि थाना बजरिया शामिल हैं। गिरफ्तारी अभियान में थाना प्रभारी श्री हिमांशु चौधरी, उपनिरीक्षक संकल्प पाण्डेय और उपनिरीक्षक सुमित शामिल रहे।

बजरिया पुलिस की कार्रवाई, दो जुआरी गिरफ्तार

विशाल विचार,संवाददाता

कानपुर।पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर द्वारा अपराध व अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बजरिया पुलिस ने जुआ खेलते दो व्यक्तियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में, पुलिस उपायुक्त सेंट्रल, अपर पुलिस उपायुक्त सेंट्रल व सहायक पुलिस आयुक्त सीसामऊ के पर्यवेक्षण में, थाना बजरिया पुलिस की टीम 17 फरवरी 2025 को क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने मैकू के मैदान, कर्नलगंज से दो व्यक्तियों को जुआ खेलते हुए पकड़ा। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में जमीर अहमद (पुत्र अमीर अहमद, निवासी 132/338 बाबूपुरवा, थाना बाबूपुरवा, उम्र 45 वर्ष) और शाकिब (पुत्र फैज मोहम्मद, निवासी 102/26 कर्नलगंज, थाना कर्नलगंज, उम्र 28 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने मौके से कुल 1460 रुपये, एक सील बंडल जिसमें 940 रुपये, 52 ताश के पत्ते व अन्य सामान बरामद किया। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध थाना बजरिया में मु.अ.सं. 15/25 धारा 13 जी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध शराब बेचते आरोपी गिरफ्तार

विशाल विचार

कानपुर कानपुर पुलिस कमिश्नरेट के तहत अपराधों की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना बिठूर पुलिस को 18 फरवरी 2025 को बड़ी सफलता मिली। मुखबिर की सूचना पर पटकनताला रोड के पास से अवैध शराब बेच रहे आरोपी सुरेश निषाद (निवासी मक्कापुरवा, उन्नाव) को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मौके से 14 पव्वे अवैध देशी शराब (मार्का मस्तीहू) बरामद किए। आरोपी के खिलाफ थाना बिठूर में आबकारी अधिनियम की धारा 60 के तहत मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई। इस सफलता पर स्थानीय जनता ने बिठूर पुलिस की सराहना की।

साढ़ पुलिस ने बकरी चोरों को किया गिरफ्तार

विशाल विचार

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस के अपराध व अपराधियों के खिलाफ अभियान के तहत थाना साढ़ पुलिस ने 17 फरवरी 2025 को बकरी चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण और अपर पुलिस उपायुक्त घाटमपुर के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में विशाल (निवासी यशोदा नगर, कानपुर) और छोटेलाल (निवासी महाराजपुर, कानपुर) को ग्राम बेहटा गंभीरपुर से चोरी की गई दो बकरियों और एक अपाचे मोटरसाइकिल के साथ पकड़ा गया। उनके खिलाफ थाना साढ़ में धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेजा गया। स्थानीय जनता ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की।

योग एवं आयुर्वेद से सम्पूर्ण विश्व को लाभ : नितेश दूबे

अयोध्या(आरएनएस)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा, खेल एवं योग विज्ञान संस्थान में पीएम उषा के सॉफ्ट कॉम्पोनेंट्स के अंतर्गत 'दैनिक जीवन में योग विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि अनंत श्री पंचकर्म क्लिनिक एवं आयुर्वेद शोध केंद्र अयोध्या नितेश दूबे ने विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को योग एवं आयुर्वेद से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारत की प्राचीन विद्या योग और आयुर्वेद है। यह भारत ही नहीं अपितु सारा संपूर्ण विश्व को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करा रहा है। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता गांधी पीजी कॉलेज आजमगढ़ के प्रो0 प्रशांत राय ने पंचकोश पर बोलते हुए बताया कि मनुष्य जीवन में पंचकोश न केवल शरीर के स्वास्थ्य हेतु अपितु मानसिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य को सबल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मनुष्य शरीर में अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, विज्ञानमय एवं आनंदमय पंचकोश होते हैं जिनका शोध जागरण करके मनुष्य न केवल स्वास्थ्य अपितु जीवन का परम लक्ष्य मोक्ष व परमानंद की प्राप्ति कर सकता है। अंत उन्होंने अन्नमय, प्राणमय, मनोमय, और विज्ञानमय अन्य से परिचित कराया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के संस्थान के निदेशक प्रो0 एस. एस. मिश्र ने बताया कि आज दैनिक जीवन में योग प्रत्येक मनुष्य एवं संपूर्ण समाज की अनिवार्य आवश्यकता है। सर्वोचित आहार शैली सोना, जागन, चिंतन, कर्म, आचरण अपना कर समग्र स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकता है। क्योंकि इस शरीर में साक्षात ईश्वर का वास होता है अतः अति का सर्वत्र त्याग करके युक्त जीवन शैली अपनाना चाहिए। इस कार्यक्रम का संचालन संस्थान के डॉ. अर्जुन सिंह ने किया। धन्यवाद ज्ञापन अनुराग सोनी द्वारा किया गया।

अशोका इंग्लिश स्कूल मे विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

विशाल विचार, संवाददाता

आजमगढ़।शिक्षा क्षेत्र मुहम्मदपुर के ग्राम सभा अशोक नगर अरारा मे स्थिति क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अशोका इंग्लिश स्कूल मे बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमे बच्चों द्वारा अनेक उपकरण बनाए गए थे जिसका मुख्य अतिथि ने अवलोकन किया बच्चों द्वारा मुख्य अतिथि को अवलोकन करते समय बनाए गए उपकरण के बारे में विस्तार रूप से बताया गया। जानकारी के मुताबिक शिक्षा क्षेत्र मुहम्मदपुर के ग्राम सभा अशोक नगर अरारा मे स्थित क्षेत्र का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान अशोका इंग्लिश स्कूल में बुधवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सर्वप्रथम मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान नंदाव दिनेश सरोज, ग्राम प्रधान इनावभार सुरेंद्र बिन्द, समाजसेवी संतोष सिंह 'रांची', गोविंदा को विद्यालय की अध्यापिका द्वारा तिलक लगाया गया उसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर पुष्प अर्पित करके दीप प्रज्वलित किया गया। उसके उपरांत मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों द्वारा बनाई गई विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते समय मुख्य अतिथि द्वारा बच्चों द्वारा बनाई गई विज्ञान प्रदर्शनी के बारे में भी बच्चों से जानकारी ली गई जिस पर बच्चों द्वारा बनाए गए उपकरण के बारे में मुख्य अतिथि को बनाए गए उपकरण का जीवन में क्या महत्व है उसके बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 5 द्वारा वाटर डिस्पेचर, कक्षा 6 द्वारा पवन चक्की, कक्षा 7 और 8 द्वारा सेव वाटर, कक्षा 10 द्वारा वॉटर पॉल्यूशन, कक्षा 12 द्वारा स्ट्रक्चर ऑफ़ डीएनए बनाया गया था। उसके बाद मुख्य अतिथि द्वारा विज्ञान प्रदर्शन में भाग लिए गए सभी छात्र-छात्राओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबंधक चंद्रशेखर सिंह विपिन ने कहा की विज्ञान प्रदर्शनियां, विज्ञान और प्रौद्योगिकी से जुड़ी जानकारी को साझा करने का एक तरीका हैं इनसे छात्रों को नए तथ्यों और आविष्कारों के बारे में जानकारी मिलती है साथ ही, ये छात्रों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक प्रतिभा को बढ़ाने में भी मदद करती हैं।इस मौके पर प्रधानाचार्य संदीप कुमार, क्षमा सिंह, ललिता राजभर, सरिता निषाद,संगीता बौद्ध, कंचन सरोज,खुशी पाठक, आरती कुमारी,प्रिया भारती, निर्मला,आनंद भारद्वाज,शैलेश कनौजिया, सिकंदर विश्वकर्मा, अरुण कुमार,मनोज यादव,धीरज कुमार,अकबर, नदीम, श्रीकांत समेत अन्य लोग उपस्थित रहें।

दुग्धशाला विकाश अधिकारी ने चयनित किसानों से गाय खरीदने की किया अपील

आजमगढ़ (आरएनएस)। उप दुग्धशाला विकास अधिकारी/जिला समन्वयक नन्दबाबा दुग्ध मिशन आजमगढ़ सुधाकर प्रसाद ने सभी दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों को सूचित किया है कि नन्दबाबा दुग्ध मिशन के अर्न्तगत संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना में जनपद आजमगढ़ में वर्ष 2023-24 में चयनित लाभर्थियों के द्वारा गाय क्रय करने में रूचि न लेने के कारण आंवटित्त लक्ष्य 46 के सापेक्ष शतप्रतिशत पूर्ति नही हो पायी है। उ0प्र0 सरकार द्वारा दुग्ध उत्पादकों/पशुपालकों को लाभ दिलाने के लिए पुनः दिनांक 17 फरवरी 2025 से 24 फरवरी 2025 तक आवेदन पत्र आमंत्रित करने का निर्देश दिया है। इस योजना में लाभार्थी के द्वारा एक यूनिट उदाहरण दो स्वदेशी गाय यथा गिर, साहीवाल अथवा थारपारकर प्रदेश से बाहर से क्रय कर स्थापित किया जाना है।

तीन दिन पूर्व घर से लापता युवक का नदी किनारे मिला शव,कुछ दूरी पर खड़ी थी मृतक की बाइक

आजमगढ़ (आरएनएस)। महराजगंज थाना क्षेत्र के अक्षयवट गांव में एक विद्यालय के पीछे छोटी सरयू नदी के किनारे बुधवार की सुबह एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई,सुबह लगभग 9:30 बजे गांव के कुछ लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दिया । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान व घटना की जांच शुरू किया तो मृतक की पहचान विन्देश्वरी मिश्र उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्र स्व. रामनवल निवासी ग्राम नरोत्तमपुर, थाना महराजगंज के रूप में हुई । मृतक के स्वजनों ने बताया कि वह रविवार की शाम बाजार गया था जहां उसकी मोबाइल गायब हो गई जिससे वह काफी अवसाद में था । सोमवार की सुबह लगभग 10 बजे वह बाइक से बिना कुछ बताए घर से गया था तब से घर वापस नहीं लौटा । वह कुछ दिनों से मानसिक रूप से बीमार चल रहा था । स्वजनों ने कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं कराया था । खोजबीन किया किंतु कुछ पता नहीं चला ।पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट आदि का कोई निशान नहीं दिखा। मौके पर जुटी भीड़ में कुछ लोगों ने बताया कि वह नशाखोरी करता था । शव से कुछ दूरी पर उसकी बाइक खड़ी मिली है।मृतक के पास तीन लड़कियां अनामिका, अंशिका, शिक्की तथा एक लड़का विनायक है । घटना की जानकारी के बाद पत्नी नीलम व बच्चों के करूण-क्रन्दन से हर कोई भावुक हो रहा था। कोतवाली प्रभारी विनय कुमार मिश्र ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट व विवेचना के प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

25 वां मिर्जा-कुंवर फ्रेंडशिप अवार्ड सपा विधायक डॉ आलमबदी को किया गया सम्मानित

107 वें संस्थापक दिवस समारोह पूर्वक हुए विविध कार्यक्रम,अबरार आजमी गोल्ड मेडल से सम्मानित हुई छात्रा खुशबू कनौजिया।

आजमगढ़ (आरएनएस)

आजमगढ़।सगड़ी तहसील क्षेत्र के मौलाना आजाद इंटर कॉलेज पर 107 में संस्थापक दिवस पर 25 वां मिर्जा-कुंवर फ्रेंडशिप अवार्ड सपा विधायक आलमबदी को मिला समारोह पूर्वक आयोजित हुआ विविध कार्यक्रम विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर अबरार आजमी अवॉर्ड से सम्मानित हुई खुशबू कनौजिया जानकारी के अनुसार मंगलवार को मौलाना आजाद एजुकेशनल सोसाइटी एवं मिर्जा अहसानुल्लाह बेग के संयुक्त तत्वाधान में संस्थापक मिर्जा अहसानुल्लाह बेग की 107 वीं जयंती संस्थापक दिवस मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉक्टर मुशफिकुद्दीन खान एम यू एस सी अमेरिका व प्रबंधक मिर्जा आरिफ बाग ने दीप प्रज्वलन कर किया इस दौरान कुंवर मिर्जा फ्रेंडशिप अवार्ड 2025 राजनीतिक शिक्षा संस्कृति समाज सुधार सांप्रदायिक सौहार में योगदान हेतु वरिष्ठ राजनीतिक एवं विधायक निजामाबाद आलम बदी आजमी को दिया गया वहीं विद्यालय की छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक महाकुंभ, शिक्षण संस्थानों की प्रतिस्पर्धा व तकनीकी और सोशल मीडिया पर व्यंगात्मक मनमोहक प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम में विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बा की छात्रा खुशबु कनौजिया को अबरार आदमी गोल्ड मेडल पुरस्कार दिया गया इस दौरान अपनी कक्षा में श्रेष्ठ प्रदर्शन पर गुड़िया कुमारी, सबीरा खान, आयशा अंसारी, असमाद बानो, फलक खान, मंशा, साक्षी, सफीना सहित छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया डॉक्टर मुशिफकुद्दीन खान ब्रेन कैंसर स्पेशलिस्ट ने अपने संबोधन में टाइम इस लाइफ व लिबरल एजुकेशन पर जोर दिया वहीं तीन चार घंटे के अंदर मरीज को ट्रामा सेंटर ले जाने की अपील की और जीवन में हमेशा प्रसन्न रहने का सुझाव दिया इस दौरान विधायक डॉ आलम बदी ने आभार व्यक्त किया वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख प्रतिनिधि मनीष मिश्रा ने की कार्यक्रम का संचालन सीमा श्रीवास्तव ने किया ट इस दौरान अजय कुमार सिंह,विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर सहाबुद्दीन मिर्जा, महफूज बैग,मिर्जापुर मिर्जा असलम बेग,मिर्जा मुराद बेग, प्रियंका सिंह,प्रीति त्रिपाठी, कृष्णकांत यादव सहित दर्जनों की संख्या में शिक्षक सहित छात्र-छात्र मौजूद रहे।

अज्ञात शव की हुई पहचान कार्यवाई मे जुटे पुलिस कप्तान,शाले ने लगाया जमीनी विवाद मे हत्या का आरोप

आजमगढ़ (आरएनएस)। आजमगढ़ जिला के जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के हरई इस्माइलपुर गांव के पास गुजरी शारदा सहायक खंड 32 नहर में मंगलवार की सुबह लगभग 40 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया था। मंगलवार की रात को परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव शिनाख्त की। वहीं मृतक के साले ने रुपयों के लेनदेन को लेकर अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया है। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के हरई इस्माइलपुर गांव के पास से गुजरी शारदा सहायक खंड 32 नहर के तरफ मंगलवार की सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने नहर में एक व्यक्ति का शव देखा। इसकी सूचना पूरे क्षेत्र में फैल गई, धीरे-धीरे लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मोहम्मदाबाद थाना और जीयनपुर कोतवाली का बॉर्डर होने की चलते दोनों थानों की पुलिस पहुंच गई।

जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में शव होने के कारण जीयनपुर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। वहीं अज्ञात शव मिलने की सूचना पर मंगलवार की रात लगभग 10 बजे नगर कोतवाली क्षेत्र के पठखौली गांव निवासी राजेश पाठक के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिजनों ने शव की शिनाख्त राजेश पाठक 50 के रूप में की।बुधवार की सुबह बलरामपुर चौकी पर पहुंचे राजेश पाठक के साले राकेश मिश्रा ने बताया कि उनका पैसे के लेनदेन को लेकर किसी से विवाद चल रहा है। तीन दिन पहले यानि 17 फरवरी को उन्हें उक्त लोगों ने उन्हें पैसा देने के लिए बुलाया।

इसके बाद से उनका मोबाइल बंद हो गया और यह गायब हो गए। हम लोग पुलिस के पास भी गए थे। मंगलवार को जब हमें जीयनपुर में लावारिश शव मिलने की सूचना मिली तो हम लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे तो इन्हें मृत पाया।परिवार के लोगों की मानें तो राजेश पाठक को जमीन के विवाद में दिसंबर 2024 में मोबाइल पर जान से मारने की धमकी भी मिली थी। इस मामले में उनके द्वारा नगर कोतवाली में उक्त मोबाइल नंबर पर मुकदमा भी दर्ज कराया गया था। 17 फरवरी को उन्हें फिर फोन कर बुलाया गया था। तभी से वह गायब थे इसके बाद परिजनों ने कोतवाली पहुंचकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई।

18 फरवरी को जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में उनका शव मिला। एसपी हेमराज मीना ने कहा कि कल जीयनपुर थाना क्षेत्र के एक शव मिला था। इसकी शिनाख्त पठखौली निवासी राजेश पाठक के रूप में हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिवार के लोगों द्वारा हत्या की आशंका जताई जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है। तहरीर प्राप्त कर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

नहर में मिले अज्ञात शव की हुई शिनाख्त,साले ने अपहरण कर हत्या का लगाया आरोप

आजमगढ़ (आरएनएस)। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र हरई इस्माइलपुर गांव के पास गुजरी शारदा सहायक खंड 32 नहर में मंगलवार की सुबह लगभग 40 से 50 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति का शव मिला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया था। मंगलवार की रात को परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर शव शिनाख्त की। वहीं मृतक के साले ने रुपयों के लेनदेन को लेकर अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया है।जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के हरई इस्माइलपुर गांव के पास से गुजरी शारदा सहायक खंड 32 नहर के तरफ मंगलवार की सुबह शौच के लिए गए ग्रामीणों ने नहर में एक व्यक्ति का शव देखा। इसकी सूचना पूरे क्षेत्र में फैल गई, धीरे-धीरे लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर मोहम्मदाबाद थाना और जीयनपुर कोतवाली का बॉर्डर होने की चलते दोनों थानों की पुलिस पहुंच गई। जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र में शव होने के कारण जीयनपुर कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया। अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई। वहीं अज्ञात शव मिलने की सूचना पर मंगलवार की रात लगभग 10 बजे नगर कोतवाली क्षेत्र के पठखौली गांव निवासी राजेश पाठक के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। परिजनों ने शव की शिनाख्त राजेश पाठक 50 के रूप में की। बुधवार की सुबह बलरामपुर चौकी पर पहुंचे राजेश पाठक के साले राकेश मिश्रा ने बताया कि उनका पैसे के लेनदेन को लेकर किसी से विवाद चल रहा है।

रौनापार पुलिस ने साइबर फ्रॉड के कुल 15000 रुपए कराए वापस

आजमगढ़ (आरएनएस)।पुलिस के अनुसार आवेदक रामेश्वर चौहान पुत्र फुलबदन चौहान सा0 सिवान थाना रौनापार जनपद आजमगढ के साथ दिनांक 05.12.24 को शेयर मार्केट मे पैसा लगाने तथा अधिक लाभ देने का झासा देकर आवेदक से कुल 1,03,646.30/- रुपए का साईबर फ्रॉड किया गया। आवेदक द्वारा साईबर हेल्प लाईन नम्बर 1930 पर दिनांक 06.02.25 को शिकायत नं0 33112240152939 दर्ज कराया गया । उक्त शिकायत के आधार पर थाना रौनापार के साईबर टीम के का0मु0 रत्नेश सिंह द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए आवेदक के 1,03,464.30/- रुपये में से 15,000/- रुपये को यूको बैंक मे होल्ड कराया गया। पैसा होल्ड होने के उपरान्त विधिक कार्यवाही करते हुए यूको बैंक से सम्पर्क कर आवेदक का 15,000/- रुपये आवेदक के खाते मे वापस कराया गया।

ट्यूबवेल का ताला तोड़ चोरों ने झटका मशीन झटका

आजमगढ़ (आरएनएस)।महराजगंज थाना क्षेत्र के बृजमनी बुजुर्ग गांव के सिवान में सोमवार की रात चोरों ने एक ट्यूबवेल के कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखी झटका मशीन को गायब कर दिया।उक्त गांव निवासी रामप्यारे मौर्य बेसहारा पशुओं से अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए अपने ट्यूबवेल में झटका मशीन लगा रखे थे । बुधवार की सुबह किसान का पुत्र विपुल मौर्य जब अपने खेत की तरफ गया तो देखा कि ट्यूबवेल के कमरे का ताला टूटा हुआ था और अंदर रखी झटका मशीन गायब थी । पीड़ित ने इस चोरी की सूचना स्थानीय पुलिस को दिया तो मौके पर पहुंची पुलिस समान बरामदगी का आश्वासन देते हुए वापस चली आई । इस संबंध में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है ।

मतदाताओं को रिझाने के लिए किसी ने पढ़ी दोहा,तो किसी ने पढ़ा छन्द,प्रधान पद के प्रत्याशीयों के भाग्य मत पेटीका में हुए बंद

आजमगढ़, 19 फरवरी (आर एन एस)अहरौला विकास खंड में एक ग्राम सभा मतलूबपुर में प्रधान पद के उप चुनाव के लिए मतदान हुआ कुल चार प्रत्याशी मैदान में थे कुल मतदाता 1505 थे जिसमें से कुल 811 मतदाताओं ने वोट(52.33) प्रतिशत डाले जिसमें 375 महिला तो 436 पुरुष मतदाताओं ने मतदान किया। वही बीते सामान्य चुनाव में यहां कुल 999 लोगों ने मतदान किया था।सुरक्षा में सीओ बूढ़नपुर किरणपाल सिंह व थानाध्यक्ष अहरौला अनिल कुमार सिंह मुस्तैद रहे।।

लखनऊ में आम आदमी पार्टी की बैठकः संगठन विस्तार और जन मुद्दों पर संघर्ष का ऐलान

लखनऊ(आरएनएस) राजधानी लखनऊ में बुधवार को आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में आठ प्रांतों के अध्यक्ष, प्रकोष्ठ अध्यक्षों समेत सभी जिलाध्यक्ष शामिल हुए। बैठक में संगठन की मजबूती, सदस्यता अभियान, कार्यकर्ता सम्मेलनों और देश के प्रमुख मुद्दों पर संघर्ष जैसे विषयों पर चर्चा की गई। सांसद संजय सिंह ने घोषणा की कि 23 मार्च 2025 को शहीद-ए-आजम भगत सिंह की पुण्यतिथि और डॉ. राम मनोहर लोहिया की जयंती के अवसर पर लखनऊ में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में भी बड़े पैमाने पर कार्यकर्ता सम्मेलन किए जाएंगे। उन्होंने यह भी बताया कि 14 सितंबर 2025 को उत्तर प्रदेश में आम आदमी पार्टी की ओर से एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी।संजय सिंह ने बैठक के दौरान भारतीय संविधान पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बीजेपी द्वारा सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को कमजोर किया जा रहा है और देश को नफरत की राजनीति में झोंका जा रहा है। उन्होंने इस राजनीतिक माहौल के खिलाफ मजबूती से खड़े होने का संकल्प लिया। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिस उर्दू भाषा के विकास में उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, उसी भाषा के खिलाफ मुख्यमंत्री बयानबाजी कर रहे हैं।

उन्होंने योगी आदित्यनाथ के हालिया भाषण का हवाला देते हुए कहा कि उनके भाषण में ही नौ बार उर्दू के शब्दों का इस्तेमाल हुआ, जिससे उनका दोहरा रवैया उजागर होता है।संजय सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने अपने भाषणों में उर्दू पर हमला करने के अलावा उत्तर प्रदेश की असल समस्याओं पर बात नहीं की। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए लोकसभा में दिए गए केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी के बयान का उल्लेख किया, जिसमें बताया गया कि पिछले आठ महीनों में लगभग आठ लाख बच्चों ने उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों को छोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ये बच्चे केवल उर्दू पढ़ने के लिए स्कूल नहीं जाते, बल्कि विज्ञान, संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी और गणित भी पढ़ते हैं, फिर भी सरकार उनकी शिक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं दिखा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी की धर्म और जाति की राजनीति असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का हथकंडा मात्र है।सांसद संजय सिंह ने योगी सरकार पर महाकुंभ में हुई अव्यवस्थाओं को लेकर भी हमला बोला। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में लचर प्रबंधन के कारण कई लोगों ने अपने परिजनों को खो दिया और इस पर सरकार की कोई जवाबदेही तय नहीं की गई। उन्होंने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि महाकुंभ के दौरान गंगा का पानी नहाने योग्य भी नहीं था, जो गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने मांग की कि महाकुंभ में हुई अव्यवस्थाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जानी चाहिए।इस बैठक में संगठन की मजबूती और जनता के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने की रणनीति बनाई गई। आम आदमी पार्टी ने साफ कर दिया कि आने वाले दिनों में वह उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएगी और जनता के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाएगी।

तमंचा के दम पर छेड़खानी करने वाले एक बाल अपचारी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

आजमगढ़ (आरएनएस)। वादी थाना रौनापार जनपद आजमगढ़ द्वारा थाने पर आकर नामजद एक व्यक्ति के विरुद्ध लिखित तहरीर दिया गया कि दिनांक 17.02.25 को समय करीब 07.00 बजे एक व्यक्ति द्वारा वादी की भतीजी को जबरन रास्ते में रोककर छेड़खानी करने,जिसका विरोध करने पर कट्टा दिखाकर जान मारने की धमकी देते हुए घसीटने, बीच बचाव के लिए आई पीड़िता की माँ को भी मारने पीटने, उलाहना देने पर आरोपी के घर वालों द्वारा भी गाली गलौज देते हुए मारने पीटने व जान मारने की धमकी देने के सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 58/25 धारा 74,115(2),352,351(2) बी.ए?.एस पंजीकृत किया गया। इसी कड़ी मे 19 फरावरी को उ0नि0 अखिलेश कुमार सिंह मय हमराह द्वारा मुखबिर की सूचना पर मुकदमा उपरोक्त में वांछित एक बाल अपचारी को समय करीब 00.35 बजे रात्रि में एक अदद देशी तमंचा 0.303 बोर व 01 अदद जिन्दा कारतूस 0.303 बोर नाजायज के साथ पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त मे धारा 7/9/25 आर्म्स एक्ट की बढोतरी किया गया।

न्यूज डायरी

सपा MLC शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज

पूर्व हमले गैंगस्टर मामले में गवाही में मुकरने पर सपा एमएलसी शाह आलम गुड्डू जमाली के ऊपर कोर्ट ने दर्ज कराया मुकदमा

आजमगढ़ (आरएनएस)। 2022 के लोकसभा उप चुनाव के दौरान कोट चौराहे पर जानलेवा हमले के मामले में 10 आरोपियों को दोषमुक्त कर दिया है।

सुनवाई पूरी करने के बाद अदालत ने गवाहों के मुकर जाने के बाद यह फैसला सुनाया।मुकदमे में गवाही से मुकरने को गंभीरता से लेते हुए अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट नंबर 3 जैनेंद्र कुमार पांडेय ने सपा श्थ्म शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया है।आपको बता दें कि यह पूरा मामला 5 मार्च 2022 का है ज़ब गुड्डू जमाली चुनाव प्रचार से लौट रहे थे। उनका आरोप था कि रात एक बजे कोट चौराहे पर सपा के 30 से 40 लोगों ने उन्हें घेर कर जानलेवा हमला किया। जमाली ने शहर कोतवाली में आजम एबाद खान, अबू जफर आजमी, अफजल, मोहम्मद आजम, असफर खान, मोहम्मद जकारिया, खुरदिल उर्फ मिर्ज़ा फराज, अबू बकर और अब्दुल्ला समेत 10 लोगों के विरुद्ध नामजद और 30-40 अज्ञात के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने जांच पूरी करने के बाद सभी 10 आरोपियों के विरुद्ध चार्जशीट अदालत में प्रेषित कर दिया।अभियोजन पक्ष की तरफ से जमाली समेत छह गवाह कोर्ट में पेश हुए। जमाली समेत सभी गवाह अदालत में पुलिस को दिए गए बयान से मुकर गए। अदालत ने सभी 10 आरोपियों को पर्याप्त सबूत के अभाव में आरोप मुक्त कर दिया। साथ ही श्थ्म गुड्डू जमाली के विरुद्ध झूठा साक्ष्य देने के आरोप में प्रकीर्ण मुकदमा दर्ज कर नोटिस भेजने का आदेश दिया है। ताकि शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली नियत तिथि पर अदालत में उपस्थित होकर स्पष्ट करें।

बसपा के टिकट पर जमाली लड़ रहे थे चुनाव

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई सीट पर 2022 में उपचुनाव हुए थे। आजमगढ़ संसदीय सीट पर सपा के टिकट पर धर्मेंद्र यादव और भाजपा के टिकट पर दिनेश लाल यादव निरहुआ और बसपा से शाह आलम गुड्डू जमाली मैदान में थे। चुनाव प्रचार के दौरान शाह आलम गुड्डू जमाली ने अपने ऊपर कोट चौराहे पर कातिलाना हमले का आरोप लगाते हुए नगर कोतवाली में 10 नामजद सहित 30 से 40 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज कराया था। इसी मामले में आरोपियों के ऊपर गैंगस्टर की कार्रवाई भी हुई थी। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में शाह आलम गुड्डू जमाली ने बसपा का साथ छोड़ सपा का दामन थाम लिया। चुनाव संपन्न होने के बाद सपा ने इन्हें एमएलसी बनाया। वहीं गैंगस्टर का मुकदमा अभी चल रहा।

युवा चेतना सम्मान रैली को सफल बनाने हेतु सुभा सपा की चौपाल

आजमगढ़ (आरएनएस)। सुभासपा के युवा मंच के प्रदेश अध्यक्ष

रूद्र राजन राजभर के नेतृत्व में मंगलवार को आजमगढ़ जिले के आधा दर्जन गांवों में चौपाल आयोजित की गई। इस दौरान खासकर युवाओं से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं को जाना गया और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए जागरूक किया गया। प्रदेश अध्यक्ष ने कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर के संदेश को लोगों तक पहुंचाते हुए 2027 में सुभासपा को सबसे बड़ी पार्टी बनाने की अपील की। महुआरा और फत्तेपुर गांव में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं को भी सुना गया।सुभासपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक सिंह ने बताया कि आगामी 23 फरवरी को आजमगढ़ के परमानपुर चौरी बेलहा कॉलेज, तरवां में युवा चेतना सम्मान रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में बड़ी संख्या में युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उन्हें प्रेरित किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष रूद्र राजन राजभर ने कहा कि 'युवा देश के भविष्य हैं, उन्हें शिक्षित रहना चाहिए और अपने समाज को भी शिक्षित करने के साथ-साथ अपने अधिकारों को समझना चाहिए,इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रभारी दीपक सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष अक्षय राजभर, शनि वर्मा, युवा मंच के जिला अध्यक्ष कृष्णा राजभर, उपाध्यक्ष रामनौमी, दिनेश सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

60 दिव्यांगजनों को निःशुल्क ट्राईसाइकिल का पूर्व मंत्री ने किया वितरण

आजमगढ़ (आरएनएस)।- विकास खण्ड-जहानागंज आजमगढ़ के प्रांगण में पूर्व से चिन्हित कुल 60 दिव्यांगजनों को निःशुल्क ट्राईसाइकिल का वितरण यशवन्त सिंह पूर्व एम0एल0सी0 एवं पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार एवं ब्लाक प्रमुख रमेश प्रसाद कन्नौजिया के कर कमलों द्वारा किया गया किया गया। एम0एल0सी0 द्वारा बताया गया कि दिव्यांगजनों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार एव माननीय प्रधानमंत्री जी के योगदान से दिव्यांगजनों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। उनके द्वारा बताया गया कि दिव्यांगजनों में बहुत प्रतिभा होती है। प्रदेश सरकार उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रकार की योजनाएं चला रही हैं। सरकार का प्रयास है कि कोई दिव्यांगजन उपकरणो एवं अन्य चलाई जा रही योजनाओं से वंचित न रहें। ब्लाक प्रमुख महोदय द्वारा बताया गया कि यदि कोई भी दिव्यांगजन जो उपकरण एवं अन्य योजनाओं से वंचित रह गये है। उनके आवेदन पत्रों को पूर्ण कराकर लाभान्वित किया जायेगा।

लावारिस कुल 45 दो/तीन/चार पहिया वाहन व अनुपयुक्त / जर्जर 38 लकड़ी के बोटो की हुई निलामी

आजमगढ़। मुबारकपुरथाने में लावारिस कुल 45 दो/तीन/चार पहिया वाहन व अनुपयुक्त / जर्जर 38 लकड़ी के बोटो की हुई निलामी। पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ हेमराज मीना द्वारा चलाये जा रहे लावारिस वाहनो वाहन निस्तारण आदेश के अनुपालन में बुधवार को थाना स्थानीय पर लावारिस में दाखिल वाहनों के नीलामी की प्रक्रिया की कार्यवाही की गयी जिसमे नायब तहसीलदार श्री वीरेन्द्र सिंह , प्रभारी निरीक्षक निहारनंन्दन कुमार व03उ0नि0 सुरेश सिंह यादव हेड मोहर्रिर योगेन्द्र कुमार मौर्य व अन्य अधि0/कर्म0गण उपस्थिति रहे थाना स्थानीय पर पूर्व मे जप्त / लावारिश वाहनो की निलामी की गयी जिसमे कुल 33 दोपहिया वाहन,06 तीन पहिया वाहन व 06 चार पहिया वाहन व अनुपयुक्त / जर्जर 38 लकड़ी के बोटो का आर0टी0ओ0 व वन विभाग द्वारा निर्धारित मूल्य 428,829.05 रु0 था जिसमे कुल 16 आवेदकगण द्वारा निलामी मे भाग लिया गया जिसमे खुली बोली मे अलग - अलग सर्वाधिक बोली कृष्णा पुत्र सुबाष वर्मा निवासी ग्राम हाफिजपुर थाना कोतवाली जनपद आजमगढ़ द्वारा व शनी गुप्ता पुत्र शिवशंकर गुप्ता नि0 धर्मशाला बाईपास थाना रार्बटगंज जनपद सोनभद्र सर्वाधिक बोली कुल 435,500 रु0 की बोली गयी ।

आपकी किचन में ही छुपे हैं सफलता और असफलता के राज

वास्तु के अनुसार चीजों व्यवस्थित न हो तो यह अपशगुन का कारण बनती हैं। ऐसे में घर की रसोई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। किचन की दिशा के साथ ही साथ रसोई घर में काम आने वाले तमाम बर्तन भी शुभता और अशुभता का कारण हो सकते हैं। यदि उनका ठीक प्रकार से प्रयोग न किया जाए या फिर उसे उचित स्थान पर सही तरीके से न रखा जाए तो उसके परिणाम नुकसानदायक साबित हो सकते हैं। किचन के बर्तनों का सही तरह से प्रयोग न करने पर वे दरिद्रता का भी कारण बन सकती हैं।

वास्तु के अनुसार किचन में सबसे अधिक प्रयोग आने वाले बर्तनों में तवे का बहुत ज्यादा महत्व होता है। वास्तु के अनुसार तवा और कढ़ाई राहु का प्रतिनिधित्व करने वाले होते हैं। ऐसे में इनका प्रयोग करते समय विशेष ख्याल रखे जाने की जरूरत होती है। मसलन, तवे या कढ़ाई को कभी भी जूठा न करें ना ही उस पर जूठी सामग्री रखें। हालांकि किचन में जूठे हाथ से किसी भी बर्तन को नहीं छूना चाहिए और न ही वहां पर जूठीं सामग्री रखना चाहिए। किचन में पवित्रता का पूरा ख्याल रखना बहुत जरूरी होता है। घर के इस कोने में स्वच्छता का जितना ख्याल रखा जाएगा धन आगमन के रास्ते उतने ही आसान होंगे।

किचन में वास्तु से जुड़े नियम

रात को खाना बनाने के बाद तवे को हमेशा धो कर रखें। जब तवे का उपयोग न करना हो तो उसे ऐसी जगह पर रखें जहां से वह आम नजरों में न आ पाए। कहने का तात्पर्य उसे खुले में रखने की बजाए किसी आलमारी या दराज में रखें।

तवे या कढ़ाई को कभी भी उल्टा नहीं रखना चाहिए क्योकि तवा को उल्टा रखने से घर में राहु की नकारत्मक उर्जा का संचार होता है।

तवा और कढ़ाई को जहां पर खाना बनाते हों, उसकी दाईं ओर रखें क्योकि किचन के दाई ओर मां अन्नपूर्णा का स्थान होता है।

कभी भी भूलकर गर्म तवे पर पानी न डालें। वास्तु के अनुसार ऐसा करने पर घर में मुसीबतें आती हैं।

हत्याहरण तीर्थ सरोवर

यहां राम ने ब्रह्महत्या का पाप धोया था

हम आपको एक ऐसे सरोवर के बारे में बताने जा रहे हैं जिसमें स्नान करने के बाद आपके सारे पाप समाप्त हो जाते हैं और पुनः साफ-सुथरे मन से आप आगे का जीवन जीने के लिए अग्रसर हो सकते हैं। ऐसा हम नहीं कह रहे हैं, इस सरोवर से जुड़ी कथाएं व यहां के लोगों की आस्था इस बात का प्रतीक है कि इस सरोवर में नहाने से लोगों के पाप नष्ट हो जाते हैं। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं की पुष्टि करने के लिए जब हम उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ से लगभग 150 किलोमीटर की दूरी पर बने ष पहुंचे, जो हरदोई जनपद की संडीला तहसील में पवित्र नैमिषारण्य परिक्रमा क्षेत्र में स्थित है। जब हम इस सरोवर के साक्षात दर्शन करने पहुंचे तो इस सरोवर से जुड़ी लोगों की आस्थाओं को देखकर एक बार विश्वास हो चला कि हो ना हो इस सरोवर में स्नान करने के बाद कहीं न कहीं पापों से मुक्ति मिल जाती है क्योंकि सरोवर में स्नान करने वालों की अपार भीड़ थी। इस सरोवर से जुड़ी कथाओं को जानने का प्रयास किया तो कई बातें सामने निकलकर आईं। सरोवर के पास पीढ़ियों से फूलमालाओं का काम करने वाले 80 साल के जगन्नाथ से इस सरोवर से जुड़ी बातों को जानना चाहा तो जगन्नाथ ने बताया की पौराणिक बातों में कितनी सत्यता है, इसकी पुष्टि तो वे नहीं करते लेकिन जो वह बताने जा रहे हैं, इसके बारे में उन्होंने अपने पिताजी से सुना था। उन्होंने कि कहा जब मैं अपने पिताजी के साथ इस सरोवर पर फूल बेचने के लिए आता था तो मैंने एक दिन अपने पिता से पूछा कि यहां पर इतने सारे लोग क्या करने आते हैं तो उन्होंने मुझे बताया कि हजारों वर्ष पूर्व जब भगवान राम ने रावण का वध कर दिया था तो उन्हें ब्रह्महत्या का दोष लग गया था। उस पाप को मिटाने के लिए भगवान राम भी इस सरोवर में स्नान करने आए थे। इस सरोवर के निर्माण के बारे में शिव पुराण में वर्णन है कि माता पार्वती के साथ भगवान भोलेनाथ एकांत की खोज में निकले और नैमिषारण्य क्षेत्र में विहार करते हुए एक जंगल में जा पहुंचे। वहां पर सुरम्य जंगल मिलने पर तपस्या करने लगे। तपस्या करते हुए माता पार्वती को प्यास लगी। जंगल में कहीं जल न मिलने पर उन्होंने देवताओं से पानी के लिए कहा तब सूर्य देवता ने एक कमंडल जल दिया। देवी पार्वती ने जलपान करने के बाद शेष बचे जल को जमीन पर गिरा दिया। तेजस्वी पवित्र जल से वहां पर एक कुंड का निर्माण हुआ और जाते वक्त भगवान शंकर ने इस स्थान का नाम प्रभास्कर क्षेत्र रखा।

यह कहानी सतयुग की है। काल बीतते रहे द्वापर में ब्रम्हा द्वारा अपनी पुत्री पर कुदृष्टि डालने पर पाप लगा। उन्होंने इस तीर्थ में आकर स्नान किया तब वे पाप मुक्त हुए। जगन्नाथ ने बताया कि तब से यहां पर मान्यता चली आ रही है की जो इस स्थान पर आकर स्नान करेगा वह पाप मुक्त हो जाएगा। हत्या मुक्त हो जाएगा। यहां पर राम का एक बार नाम लेने से हजार नामों का लाभ मिलेगा। तब से आज तक लोग यहां इस पावन तीर्थ पर आकर हत्या, गोहत्या एवं अन्य पापों से मुक्ति पा रहे हैं।

मंत्र जपने के चमत्कारिक फायदे

मंत्रयोग या जपयोग के चमत्कार के संबंध में शास्त्रों में ढेर सारे उल्लेख मिलते हैं। वेदों में उल्लेख है कि विशेष प्रकार के मंत्रों से विशेष तरह की शक्ति उत्पन्न होती है। अनेक परिक्षणों से यह सिद्ध हो गया है कि मंत्रों में प्रयोग होने वाले शब्दों में भी शक्ति होती है। मंत्रों में प्रयोग होने वाले कुछ ऐसे शब्द हैं, जिन्हे 'अल्फा वेव्स' कहते हैं। मंत्र का यह शब्द 8 से 13 साइकल प्रति सैकेंड में होता है और यह ध्वनि तरंग व्यक्ति की एकाग्रता में भी उत्पन्न होती है। इन शब्दों से जो बनता है, उसे मंत्र कहते हें। मंत्रों के जप करने से व्यक्ति के भीतर जो ध्वनि तरंग वाली शक्ति उत्पन्न होती है, उसे ही जपयोग या मंत्र योग कहते हैं। शास्त्र अनुसार 'ज' का अर्थ जन्म का रुक जाना और 'प' का अर्थ पाप का नष्ट हो जाना। किसी भी मंत्र को बार बार जपने से कई तरह के चमत्कारि घटित होते हैं। आओ जानते हैं 5 चमत्कारिक फायदे।

बढ़ती एकाग्रता मानसिक - शक्ति : मंत्र का अर्थ होता है मन को एक तंत्र में बांधना। जब मन एक तंत्र में बंध जाता है तो व्यक्ति मानसिक रूप से शक्तिशाली बन जाता है और इससे एकाग्रता भी बढ़ जाती है। अच्छे विचार, मंत्र और भगवान का बार-बार जप करने या ध्यान करते रहने से व्यक्ति की मानसिक शक्ति बढ़ती जाती है। मानसिक शक्ति के बल पर ही व्यक्ति सफल, स्वस्थ और शक्तिशाली महसूस कर सकता है। मंत्र के द्वारा हम खुद के मन या मस्तिष्क को बुरे विचारों से दूर रखकर उसे नए और अच्छे विचारों में बदल सकते हैं। लगातार अच्छी भावना और विचारों में रत रहने से जीवन में हो रही बुरी घटनाएं रुक जाती है और अच्छी घटनाएं होने लगती है।

देवताओं से जुड़ता संबंध - अपने ईष्ट या किसी शक्तिशाली मंत्र का निरंतर जप करने से व्यक्ति ईधर माध्यम की सकारात्मक ऊर्जा और शक्तियों से जुड़ जाता है। मंत्र से किसी देवी या देवता को साधा जाता है, मंत्र से किसी भूत या पिशाच को भी साधा जाता है और मंत्र से किसी यक्षिणी और यक्ष को भी साधा जाता है। 'मंत्र साधना' भौतिक बाधाओं का आध्यात्मिक उपचार है। यदि आपके जीवन में किसी भी प्रकार की समस्या या बाधा है तो उस समस्या को मंत्र जप के माध्यम से हल कर सकते हैं।

प्राप्त होती सिद्धि -किसी भी मंत्र को प्रातिदिन निरंतर जपते रहने से सिद्धियों का द्वार खुल जाता है। जागृत, स्वप्न और सुषुप्ति तीनों ही अवस्था में व्यक्ति जागा हुआ हो जाता है। जपयोग व्यक्ति के अवचेतन को जाग्रत कर उसे दिव्य दृष्टि प्रदान करता है। ऐसा व्यक्ति स्वयं को किसी भी रूप में स्थापित करने में सक्षम हो जाता है। इससे व्यक्ति टेलीपैथिक और परा मनोविज्ञान में पारंगत हो सकता है।

सूक्ष्म शरीर को सक्रिय करते हैं मंत्र -निरंतर मंत्र जप करने से ध्वनि तरंग उत्पन्न होती है, उससे शरीर के स्थूल व सूक्ष्म अंग तक कंपित होते हैं। इसके कारण व्यक्ति का सूक्ष्म शरीर सक्रिय होकर शक्तिशाली परिणाम देना प्रारंभ कर देता है।

मिटते हैं शोक- जब व्यक्ति बहुत व्यग्र या चिंतित रहता है तो तरह-तरह के नकारात्मक विचारों से घिर जाता है और पहले की अपेक्षा परिस्थितियों को और संकटपूर्ण बना लेता है। ढेर सारे विचारों से बचने के लिए किसी भी मंत्र का जप करते रहने से मन में विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होता है। इससे शोक और संताप मिट जाता है। यह व्यक्ति को मानसिक रूप से शांत कर देता है। यदि आप सात्विक रूप से निश्चित समय और निश्चित स्थान पर बैठक मंत्र प्रतिदिन मंत्र का जप करते हैं तो आपके मन में आत्मविश्वास बढ़ता है साथ ही आपमें आशावादी दृष्टिकोण भी विकसित होता है जो कि जीवन के लिए जरूरी है।

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं।एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है।कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डॉक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की क्या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुक्त करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है।आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भक्त लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है।सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरफ्त में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनो-विभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

कहते हैं कि पत्थर में भी जान होती है। निश्चित ही मूर्ति एक पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां बंगलामुखी माता, दत्तात्रेय भैरव, बटुक भैरव, अन्नपूर्णा भैरव, काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है।

तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट है। कहा जाता है कि यहां किसी के नहीं होने पर भी कई तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस मंदिर के परिसर में कुछ शब्द गूंजते रहते हैं। यहां पर वैज्ञानिकों की एक टीम भी गई थी, जिन्होंने रिसर्च करने के बाद कहा कि यहां पर कोई आदमी नहीं है। इस कारण यहां पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हां पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं। मुगलों ने देश के कई मंदिरों को ध्वस्त किया लेकिन वे इन शक्तिपीठों को कभी खंडित नहीं कर पाए। ऐसा दुस्साहस करने वाले काल के मुख में समा गए हैं। उदाहरणार्थ माता हिंगलाज और माता ज्वालादेवी का शक्तिपीठ।

रणवीर इलाहाबादिया मामले पर विद्युत ने दी प्रतिक्रिया

समय रैना और रणवीर इलाहाबादिया का विवादित टिप्पणी का मामला अभी सुर्खियों में है। इस मामले पर कई बॉलीवुड सितारों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। अब इस मामले पर एक्शन हीरो विद्युत जामवाल ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। विद्युत जामवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर की है और इसमें उन्होंने कहा है कि विनाश काले विपरीत बुद्धि। उन्होंने आगे कहा है कि ये पैगाम मेरे फैंस के लिए है। मैं कुंभ से वापस आ चुका हूं। मैं इसकी सभी फोटो और वीडियो कल अपलोड करूंगा। ये बहुत अच्छी हैं।

जव विनाश का समय आता है तो बुद्धि पलट जाती है

विद्युत जामवाल ने विवादित टिप्पणी मामले के बारे में कहा मैंने रणवीर इलाहाबादिया के विवाद के बारे में सुना और इस पर मेरी पहली प्रतिक्रिया है विनाश काले विपरीत बुद्धि। ये मुर्खता थी। लेकिन दोपहर से मैं सोच रहा हूं कि उन्होंने बहुत बड़ी गलती की है और लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं। लोग उनके करियर को खत्म करना चाहते हैं और हंस रहे हैं।

माफ करने से दिमाग साफ होता है

विद्युत ने वीडियो में कहा है कि लोग कह रहे हैं कि एक गलती की वजह से किसी व्यक्ति को जिंदगीभर पछताना पड़ सकता है। मैं कहता हूं ठीक है, लेकिन ये बताइए कि रणवीर के पोडकास्ट में कौन था। विद्युत ने कहा कि अपना दिमाग साफ रखने के लिए आपको करुणा, दया, और माफ करना सीखना चाहिए। हम ये कब कर सकते हैं? विद्युत ने अपने फैंस से पूछा है कि हमें उन्हें माफ करना चाहिए या नहीं? हमारे पास माफ करने की ताकत है। हम बड़े पापियों को भी माफ कर देते हैं। आप क्या सोचते हैं? हमे आपसे प्यार है।

क्या है पूरा मामला?

आपको बता दें कि रणवीर इलाहाबादिया ने इंडियाज गॉट लैटेंट शो में एक प्रतियोगी से उसके मां-बाप के बारे में अभद्र सवाल पूछे थे। इस पर लोगों ने नाराजगी जाहिर की। रणवीर ने इस मामले पर लोगों से माफी मांगी है। कई सितारों ने इस मामले के लिए रणवीर के खिलाफ कार्रवाई की बात कही तो कई सितारे ऐसे हैं, जिन्होंने कहा है कि रणवीर माफ कर देना चाहिए। हालांकि इस मामले में मुंबई पुलिस जांच कर रही है।

वैलेंटाइन डे पर ऋचा ने दिया फैंस को तोहफा, आखिरी सोमवार में आएंगी नजर; खुद लिखी ये प्रेम कहानी

अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने आज वैलेंटाइन डे के खास मौके पर फैंस को प्यार भरा तोहफा दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि वे खुद अपनी ही लिखी लव स्टोरी में अभिनय करने जा रही हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना काल के दौरान उन्होंने खुद ये प्रेम कहानी भी लिखी। फिल्म का नाम फिलहाल आखिरी सोमवार रखा गया है।

खुद लिखी फिल्म की कहानी

ऋचा चड्ढा ने बताया कि दूसरे लॉकडाउन के दौरान वे सिर्फ निर्माता बनकर खुश नहीं थीं। उन्होंने इस दौरान एक कहानी भी लिखी। इसी कहानी पर अब वे खुद अभिनय करने को भी तैयार हैं। फिल्म को लेकर अभिनेत्री बेहद उत्साहित हैं।

कुछ ऐसी है कहानी

फिल्म की कहानी एक टीवी रियलिटी शो के निर्माता के बारे में है। इस निर्माता को जब ऑफिस में कोई चाइल्डिस कैट लेडी कह देता है तो वह उससे शादी करने की ठान लेती है। ऋचा ने कहा, मिडिल क्लास पंजाबी परिवार में बड़े होने से मेरा एक्सपीरियंस ऐसा रहा। मेरे सभी बड़े कजिन ने अरेंज मैरिज की है। यह कहानी भी कुछ ऐसी ही है जो एक परिवार के इर्द गिर्द ही घूमती है, यह एक फैमली मूवी है, जो आपके साथ आपके परिवार को भी पसंद आएगी।

युवा सोच को लेकर दी अपनी राय

ऋचा ने कहा, जब हम कॉलेज से पास होते हैं, तो बहुत सारे सपने लेकर बाहर आते हैं। कोई नौकरी में जाता है कोई बिजनेस में। जब आप 30 के होते हैं तो एक नौकरी और परिवार दोनों की आशा रखते हैं, लेकिन समाज को लगता है कि बहुत देर हो चुकी है और आप थक जाते हैं क्योंकि ये सपने अब हासिल नहीं किए जा सकते। आखिरी सोमवार भी एक ऐसी कहानी है जो पहले टूटने और फिर साथ आने की कहानी है।

निर्माता के तौर पर खास है कहानी

ऋचा ने कहा कि एक अभिनेता के रूप में, मेरी कॉमिक टाइमिंग का बहुत कम उपयोग किया गया है। हालांकि, मार्केट के हिसाब से देखें तो यह फिल्म कमाई करने की खास कहानी है। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

कार्तिक के लिए साउथ से इम्पोर्ट हुई हीरोइन

हिंदी सिनेमा के चोटी के सितारों में गिने जाते रहे अभिनेता कार्तिक आर्यन की फिल्म 'चंदू चैंपियन' के बॉक्स ऑफिस पर सुपर फ्लॉप होने के बाद से हालत खस्ता है। उनके पास ले देकर गिनती की बस दो फिल्में हैं। फिल्म 'भूल भुलैया 3' के सुपरहिट होने के बाद भी उनके पास नई फिल्मों के प्रस्ताव न आने का मामला भी काफी रोचक रहा है। राजश्री प्रोडक्शन्स की फिल्म से बाहर होने के बाद से कार्तिक आर्यन को उनकी नई फिल्मों के लिए हीरोइन मिलने का संकट भी रहा है।

अब पता चला है कि उनकी अनुराग बसु के निर्देशन में बन रही फिल्म के लिए साउथ की उस हीरोइन को फाइनल किया गया है जिसने फिल्म 'पुष्पा 2' में आइटम डांस किया है। इस हीरोइन का नाम है श्री लीला। अमेरिका की रहने वाली श्री लीला की एक फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण के साथ निर्माणाधीन है। इसके अलावा वह फिल्म 'रॉबिनहुड' भी कर रही हैं। हिंदी सिनेमा में श्री लीला की चर्चा सबसे पहले 'छावा' के निर्माता दिनेश विजन की फिल्म 'दिलेर' की हीरोइन बनने के समय हुई। ये फिल्म सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम की डेब्यू फिल्म होनी थी, लेकिन फिल्म ट्रेड में फिल्म के गर्म न हो पाने पर इब्राहिम का डेब्यू अब ओटीटी पर रिलीज होने जा रही करण जौहर की फिल्म 'नादानियां' से होगा।

श्री लीला का नाम कार्तिक आर्यन की नई हीरोइन के लिए उस फिल्म के लिए भी करीब करीब फाइनल हो चुका है जिसका निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं और जिसकी हीरोइन पहले तृप्ति डिमरी थीं। अनुराग की फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने जा रही है। ये एक म्यूजिकल फिल्म होगी, जिसका संगीत प्रीतम तैयार कर चुके हैं। फिल्म 'भूल भुलैया 3' के समय अपने साथ किए गए व्यवहार को लेकर तृप्ति ने ही कार्तिक के साथ काम करने से मना किया है। हिंदी सिनेमा की स्थापित हीरोइनों में से तमाम दूसरी हीरोइन भी कार्तिक के साथ काम करने की अनिच्छा प्रकट कर चुकी हैं। इसी के चलते धर्मा प्रोडक्शंस के साथ बन रही उनकी अगली फिल्म में अनन्या पांडे को हीरोइन बनाया गया है।

अश्विनी की फिल्म में नजर आएंगी सोनाक्षी सिन्हा

नि ल बटे सन्नाटा, बरेली की बर्फी और पंगा जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाले अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने लिए एक अलग ग्राफ सेट किया है। उन्होंने इमोशनल कहानियों के साथ अपनी एक अलग पहचान बनाई। अब वे एक नए ड्रामा से वापसी करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म में वो सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका को कास्ट करने वाली हैं। सोनाक्षी को हीरामंडी में से शेड वाले कैरेक्टर के लिए काफी तारीफ मिली थी। इस प्रोजेक्ट को कोर्टरूम ड्रामा बताया जा रहा है और इस फिल्म को डिजिटल प्लेटफार्म पर रिलीज किया जाएगा। इसकी शूटिंग अगले महीने मुंबई में शुरू होने वाली है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म पर पिछले दो सालों से काम चल रहा है। शुरुआत में इसे करीना कपूर खान और कियारा आडवाणी को आफर किया गया था। हालांकि, उनके साथ बात नहीं बनीं जिसकी वजह से फिल्म में देरी हुई। अब सोनाक्षी और ज्योतिका के साथ ये फिल्म बनाई जा रही है। यह सोनाक्षी की पहली लीगल ड्रामा है। फिल्म में सोनाक्षी के अलावा ज्योतिका भी लीड रोल में हैं।

कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है

अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह अपनी आगामी फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। रकुल ने अब अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट साझा की है, इसमें मोटिवेशन कोट लिखा है। रकुल ने पोस्ट में लिखा कि हमारा कंफर्ट जोन हमें अच्छा तो लगता है लेकिन ये हमें आगे नहीं बढ़ने देता है।

कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है

अभिनेता रकुल प्रीत सिंह ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपने मन के विचार साझा किए हैं। उन्होंने पोस्ट किया- आपका कंफर्ट जोन ही आपका दुश्मन है। यह बहुत अच्छी जगह है लेकिन यह आपको प्रगति नहीं करने देता। रकुल प्रीत सिंह की पोस्ट को फैंस ने बहुत पसंद किया है। कैप्शन में रकुल ने लिखा कि जो है, सो है।

हिंदी फिल्मों में करना था काम

रकुल प्रीत ने एक इंटरव्यू में कहा था की बचपन से उनका सपना हिंदी फिल्मों में ही करियर बनाना था। उनका साउथ में काम करना एक खूबसूरत इत्तेफाक है। साउथ सिनेमा में अपना परचम लहराने के बाद रकुल ने 2014 में फिल्म यारियां से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

रकुल प्रीत सिंह, अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हसबैंड की बीवी फिल्म 21 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म को बड़े पर्दे के साथ ओटीटी पर भी रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म का निर्देशन कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। वे इससे पहले पति पत्नी और वो, हैप्पी भाग जाएगी और खेल खेल में जैसी फिल्मों के लिए जाना जाता है। रकुल प्रीत सिंह दे दे प्यार दे 2, इंडियन 3 जैसी आगामी फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

तब सनम तेरी कसम नहीं चली, मुझे फिल्मों के कॉल्स नहीं आए, समझ नहीं आ रहा था क्या करूं

साउथ इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड में कई फिल्मों में नजर आए जाने-माने एक्टर हर्षवर्धन राणे इन दिनों काफी खुश हैं। उनकी फिल्म सनम तेरी कसम तकरीबन 9 साल बाद री-रिलीज हुई है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है। पिछले दिनों हसीन दिलरुबा, तैश, दंगे जैसी फिल्मों में दिखे। हर्षवर्धन उस वक्त मात्र 16 साल के थे, जब वे एक्टिंग के जुनून में घर से भागे थे। घर से भागने के बाद उन्होंने काफी संघर्ष किया। अपने करियर के मुश्किल दौर के बारे में वे कहते हैं, जब इंडस्ट्री में आपको ब्रेक मिलता है, तो लोग कहते हैं, अब तो तुम हीरो बन जाओगे, तुम्हारे पास फिल्मों की लाइन लग जाएगी। मगर मेरी फिल्म सनम तेरी कसम आई। फिल्म को लेकर मेरे कई बड़े-बड़े ख्वाब थे। फिल्म नहीं चली। मुझे फिल्मों के कोई कॉल्स नहीं आए। वो वक्त बहुत ज्यादा कठिन था, मैं समझ ही नहीं पा रहा था कि उसे कैसे हैंडल करूं।

गाली-गलौज वाला कॉन्टेंट नहीं कर सकता

ओटीटी पर हसीन दिलरुबा और तैश जैसे प्रॉजेक्ट्स में नजर आए हर्षवर्धन अन्य कलाकारों की तरह ओटीटी पर ज्यादा काम नहीं कर रहे हैं। कारण बताते हुए वे कहते हैं, मैं गाली-गलौज वाला कॉन्टेंट नहीं कर सकता। परदे के किरदारों की बात करूं तो मुझे मुझे गालियां देने में मजा नहीं आता। स्क्रीन पर फालतू के अंतरंग सीन करने में मुझे रुचि नहीं है। बहुत ज्यादा खून-खराबा हो रहा है, इन दिनों फिल्मों और ओटीटी पर। अगर कहानी की मांग है, तो बात अलग है, वरना आजकल बिना बात के अब्यूसिव कॉन्टेंट बहुत है। मेरी पिछली फिल्म दंगे को यू सर्टिफिकेट इसीलिए दिया गया था, क्योंकि वो वयस्कों का कॉन्टेंट था। जो कॉन्टेंट मैं अपने पेरेंट्स के साथ नहीं देख पाऊं या फिर परिवार संग न देख सकूं, तो मुझे नहीं करना। तो ज्यादातर मेरी चॉइस वहीं पर अटक जाती। क्योंकि मेरे पास भी उसी तरह के ऑफर आते हैं और मैं हां नहीं कर पाता।

अब फिल्म के पार्ट टू का रास्ता खुलेगा

सनम तेरी कसम अपनी री रिलीज पर अच्छा बिजनेस कर रही हैं। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ से भी ज्यादा का बिजनेस किया है। इस पर हर्ष खुशी जताते हुए कहते हैं, मैं बहुत खुश हूं, क्योंकि अंततः मेरे निर्माता दीपक मुकुट के चेहरे पर मुस्कराहट आई। भले वो खुशी उन्हें 9 साल बाद मिली हो। एक अरसे से लोग मुझसे पूछा करते थे कि आप पार्ट टू कब लेकर आओगे, तो मैं क्या जवाब देता? अरे भाई पार्ट टू लाना इतना आसान होता है क्या, मगर सीधी-सी बात है कि फिल्म अच्छा करेगी, तो इसके पार्ट 2 का रास्ता खुलेगा। अब जब फिल्म दोबारा रिलीज हुई है, तो फिल्म से जुड़ी कई यादें ताज़ा हो गई हैं।

मावरा ने खुद को अपने किरदार के प्रति समर्पित कर दिया था

आज से तकरीबन 9 साल पहले आई इस फिल्म में हर्षवर्धन राणे की हीरोइन पाकिस्तानी अभिनेत्री मावरा हुक्कैन थीं। हर्षवर्धन और मावरा की केमेस्ट्री काफी पसंद की गई थी। हर्षवर्धन कहते हैं, मावरा के बारे में मैं इतना ही कहूंगा कि वे बहुत ही मेहनती और ईमानदार अभिनेत्री हैं। उन्होंने किरदार के लिए खुद को पूरी तरह से समर्पित कर दिया था ,उनके साथ काम करके बहुत मजा आया था। हाल ही में उनकी शादी हुई है और मुझे लगता है कि बॉक्स ऑफिस पर जो नंबर्स आ रहे हैं, उससे बेहतर वेडिंग गिफ्ट उनके लिए क्या हो सकती है?

दिलजीत की लाइफ पर बनने जा रही है डॉक्यूमेंट्री

दिलजीत दोसांझ ने न केवल भारतीय, बल्कि विदेशी दर्शकों का भी दिल जीता है। खासकर दिल लुमिनाटी टूर के बाद उनकी लोकप्रियता में जबरदस्त इजाफा हुआ है। खबर है कि उनके जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री के लिए अमेरिकी स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म हुलू से उनकी बातचीत चल रही है। इस सीरीज के जॉरर लोगों को दिलजीत को करीब से जानने का मौका मिलेगा। इस कड़ी में उनके शुरुआती संघर्ष से लेकर दुनियाभर में उनके स्टारडम का कहानी हम सभी के सामने होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म को पूरा भरोसा है कि दिलजीत की कहानी दुनियाभर के दर्शकों को प्रेरित करेगी, क्योंकि उन्होंने पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री को वैश्विक पहचान दिलाई है। डॉक्यूमेंट्री के जरिए यह भी दिखाया जाएगा कि किस तरह गायक और उनके पंजाबी संगीत ने वैश्विक स्तर पर क्या प्रभाव डाला है। इसकी शूटिंग इसी साल होगी। इस डॉक्यूमेंट्री सीरीज की शूटिंग इसी साल शुरू होगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अंकुर शुक्ला द्वारा शुक्ला ग्राफिक्स एंड प्रिंटर्स, प्लाट नम्बर 10, गणपति कॉम्पलेक्स मार्केट कल्यानपुर कानपुर नगर से मुद्रित व 45, सराय मसवानपुर रावतपुर कानपुर नगर से प्रकाशित
संपादक - अमन कुमार , मो. - 9451910061 (समाचार पत्र के सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय होगा)